www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 142 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
12 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:36
सूर्यास्त: 06:47
अधिकतम: 36°00
न्यूनतम: 29°00

» पेज 07

विशेष समाचार | युवा शक्ति को मिले दिशा ... » पेज 04 | बेटियां आगे बढ़ीं, बेटे क्या ... » पेज 06 | फ़रहान अख्तर ने फिर साधा...

सीएम योगी ने विपक्ष पर किया 'अर्थव्यवस्था' वाला वार, गोरखपुर में ग्रीन सिटी रोड का उद्घाटन

प्रदेश में माफिया तंत्र जब हावी था निवेश नहीं आता था : योगी

सीएम योगी ने कहा कि पूर्व की सरकारों में माफियाओं का सिस्टम में बड़ा हस्तक्षेप था। इस वजह से विकास योजनाएं प्रभावित होती थी। विकास योजनाओं, छात्रवृत्ति की राशि को हड़प लिया जाता था। माफियाओं को सिस्टम से बाहर करने में सरकार सफल रही है।

सीएम योगी ने किया ग्रीन सिटी-माधोपुर बंधा सड़क का लोकार्पण, 70 करोड़ की लागत से निखरी गोरखपुर की सूरत

कार्यक्रम

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, गोरखपुर, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर काम तेज हो गया है। इस क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी तैयारी को आगे बढ़ाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ लगातार विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास के जरिए चुनावी माहौल को गरमाने में जुटे हुए हैं। विपक्षी दलों की ओर से भी सरकार को घेरने के लिए तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। इस क्रम में राम मंदिर से लेकर विकास के मुद्दे तक पर भारतीय जनता पार्टी सरकार को घेरने की कोशिश हो रही है। ऐसे में आप सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्वांचल में विकास योजनाओं को लेकर आयोजित कार्यक्रम में विपक्ष पर हमलावर रखा अपनाया। उन्होंने प्रदेश के अगले तीन साल में वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के तरफ बढ़ने का दावा किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में माहौल बेहतर हुआ तो पूर्वी उत्तर प्रदेश में निवेश भी आ रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी उसी तेजी के साथ आगे बढ़ी है, जिस तेजी के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश मध्य क्षेत्र और बुंदेलखंड का इलाका आगे बढ़ रहा है।

» (शेष पेज 06 पर)

योगी के करीबी माने जाते हैं महंत रविंद्र दास

कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास को सीएम योगी आदित्यनाथ का करीबी माना जाता है। सीएम के कार्यक्रमों में उन्हें अक्सर मंच पर जगह मिलती है। वह लंबे समय से गोरखनाथ मंदिर से भी जुड़े हुए हैं। यही वजह है कि जब भी सीएम योगी का गोरखपुर में कोई कार्यक्रम होता है, महंत रविंद्र दास भी वहां नजर आते हैं।

फूल बरसाकर और जयकारे लगाकर किया स्वागत

ग्रीन सिटी से माधोपुर बंधा तक चौड़ी और मजबूत सड़क मिलने से स्थानीय लोगों में खुशी दिखी। लोकार्पण के बाद जनसभा स्थल जाते समय करीब दर्जनभर जगहों पर लोगों ने जयकारे लगाए और फूल बरसाकर सीएम योगी का स्वागत किया।

जनसभा को संबोधित करने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर-सोनौली राजमार्ग पर ग्रीन सिटी मोड़ के पास नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटा और लोकार्पण शिलापट्ट का अनावरण किया। इसके बाद सीएम योगी इसी सड़क से होते हुए निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए जनसभा स्थल पहुंचे।

हर तबके को विकास से जोड़ने की कोशिश

सीएम योगी ने कहा कि विकास के आयाम को हर गांव, हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इसी का परिणाम हम सब के सामने है। आज गोरखपुर और वाराणसी जैसी बड़ी आबादी वाले शहरों में स्वास्थ्य और शिक्षा के तमाम कार्य किए गए हैं। इन शहरों में नौजवानों के लिए विकास योजनाएं तैयार की गई हैं। इसका लाभ उन्हें मिल रहा है।

सांसद के भोज और फिल्म का भी किया जिक्र

सीएम योगी ने कहा- आज सांसद जी ने भाषण क्यों नहीं दिया? लगता है कि उन्होंने कुछ ज्यादा लोगों को भोज दे दिया है। कितने लोग उनके यहां भोज करने गए थे? कितने लोगों ने उनकी फिल्म देखी है? और कालीबाड़ी बाबा की फिल्म कितने लोगों ने देखी है? इस पर वहां मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर अपनी सहमति जताई। इस पर सीएम योगी ने कहा- बराबरी है।

सोनिया बोलीं- मनमोहन सिंह सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में एक थे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में क्लीन चिट मिलने के कुछ दिन बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोनिया ने मंगलवार को द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने आर्टिकल में मनमोहन सिंह और मोदी सरकार के कामकाज की तुलना की। सोनिया ने लिखा कि मनमोहन सिंह की ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के काम करने के तरीके से बिल्कुल उल्टा था। इतिहास मनमोहन सिंह को शांत, सरल, लेकिन सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के तौर पर सम्मान से याद करेगा।

रांची- लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों ने निकाला मौन जुलूस

भाजपा के झारखंड बंद का मिलाजुला असर

झड़प

तमसा संकेत, एजेंसी

- स्कूल दफ्तर खुले, बाजार बंद एबीवीपी कार्यकर्ताओं पुलिस में हुई झड़प

रांची । झारखंड के रांची में सोमवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें जाम कीं। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते भी नजर आए। कई शहरों में पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, कई प्राइवेट स्कूल खुले हुए थे। इधर, झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान ABVP कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे थे, जहां उन्हें हिरासत में लेने के लिए पुलिस पहुंची। इसके बाद कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए, जबकि कुछ पुलिस वैन के आगे बैठ गए। पुलिस लगातार उन्हें हटाने की कोशिश करती रही, इसी दौरान धक्का-मुक्की और झड़प हुई।

» (शेष पेज 06 पर)

एमपी-राजस्थान समेत 6 राज्यों में 48 घंटे से लगातार बारिश

हिमाचल में चलती कार पर पत्थर गिरे, 259 सड़कें बंद

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। भोपाल में दो दिन से बारिश जारी है। यहां 24 घंटे में 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई। शहर में 1,000 से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया। राजस्थान के 6 जिलों में आज बारिश का ऑरेंज और 17 जिलों में यलो अलर्ट

जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घंटे में हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़) में 12 इंच तक बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में NH-305 पर चलती गाड़ी पर मलबा और चट्टानें गिर गईं। हादसे में गाड़ी सवार दो लोग घायल हो गए, जबकि गाड़ी मलबे के नीचे दब गई। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बीती रात से बारिश हो रही है।

» (शेष पेज 06 पर)

दो सिस्टम एक्टिव होने से एमपी

देश के मध्य हिस्से में इस समय एक लो-प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ सक्रिय है। उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास बना लो-प्रेशर एरिया बारिश करा रहा है। इसके असर से मध्य प्रदेश, राजस्थान के कुछ हिस्सों और आसपास के इलाकों में बारिश की गतिविधियां बनी हुई हैं। IMD ने 11-12 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।

फास्ट न्यूज

हेली टैक्सी से 100 में कर सकेंगे मणिमहेश यात्रा

भरमौर (हिमाचल प्रदेश)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में होने वाली मणिमहेश यात्रा में श्रद्धालुओं को इस बार महज 100 रुपए में हेली टैक्सी से भगवान भोले के धाम पहुंचने का मौका मिलेगा। रेड क्रॉस सोसायटी ने पहली बार श्रद्धालुओं के लिए लकी ड्रॉ निकालने का फैसला लिया है।

घटना | चोटिल

शिमला-धर्मशाला एनएच पर गाड़ी पर गिरी चट्टान

शिमला । हिमाचल प्रदेश में शिमला-धर्मशाला एनएच-205 पर भराड़ीघाट के पास दोपहर बाद एक चलती कार पर बड़ी चट्टान गिर गई। इसमें शिमला के रहने वाले 63 वर्षीय अनिल बक्शी की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी बृजेश्वरी बक्शी और बेटे कर्ण बक्शी को गंभीर चोट आई है।

वहीं कुल्लू के आनी में भी एनएच 305 पर आज सुबह के वक्त चलती गाड़ी पर मलबा व चट्टानें गिर गई। इससे गाड़ी में सवार दोनों लोगों को चोटें आई है। गाड़ी मलबे के नीचे दब गई। आनी के ही नए बस स्टैंड पर खड़ी गाड़ी पर भी लैंडस्लाइड हो गया।

बारिश के पानी में चमका 50 लाख का हीरा

पन्ना । पन्ना जिले की एक खदान में 16.96 कैरेट का जेम क्वालिटी हीरा मिला है। एक्सपर्ट्स ने इसकी अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए से ज्यादा बताई है। हीरे को सरकारी दफ्तर में जमा करा दिया गया है। इसे अगली नीलामी में रखा जाएगा। इससे मिली रकम रॉयल्टी और टैक्स काटने के बाद खदान मालिकों को दी जाएगी।

कोलकाता में ममता बनर्जी के खिलाफ चोर-चोर के नारे लगे

कार पर पत्थर और कीचड़ फेंका गया था

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यक्रम में मंगलवार को कुछ लोगों ने चोर, चोर के नारे लगाए। यह ममता के साथ 3 दिन में दूसरी घटना है। रविवार को हलीसहर में भी ममता को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा था। TMC ने कोलकाता में यह कार्यक्रम बीजेपी सांसद नागेंद्र रॉय की नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में रखा था। नारे लगने से कार्यक्रम कुछ देर के लिए रुक गया था। ममता नॉर्थ कोलकाता के श्याम बाजार फाइव-पॉइंट क्रॉसिंग पर

- नेताजी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने पहुंची थीं ममता
- बीजेपी सांसद ने नेताजी को वॉर क्रिमिनल कहा था

पहुंची थीं। उनके हाथ में स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की फोटो थी। जब कार्यक्रम चल रहा था, तभी कुछ लोग वहां जमा हो गए।

» (शेष पेज 06 पर)

इंदिरा गांधी के हत्यारे का बेटा लड़ेगा पंजाब चुनाव

अमृतसर। पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) पंजाब ने चुनाव के लिए अपना पहला उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी ने बस्सी पठाना विधानसभा सीट से सतवंत सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सतवंत, केहर सिंह के बेटे हैं, जिसे इंदिरा गांधी हत्याकांड में फांसी हुई थी।

सतवंत सिंह की उम्मीदवारी की घोषणा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तरसेम सिंह ने की। इस दौरान सांसद सरबजीत सिंह खालसा भी मौजूद रहे। तरसेम सिंह जेल में बंद खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह के पिता हैं। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने सतवंत को 2027 के लिए अपना पहला उम्मीदवार बनाकर यह संकेत दिया है कि पार्टी बस्सी पठाना में धार्मिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि वाले चेहरे को सामने रखकर चुनावी मैदान तैयार करना चाहती है।

गांजा पीकर उड़ा रहा था विमान

300 फीट नीचे आ गई थी एअर इंडिया फ्लाइट, 17 यात्री हुए थे जख्मी

खुलासा

- एयर इंडिया पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आया।
- फुकेट-दिल्ली फ्लाइट में ड्रग्स की पुष्टि हुई।
- 4 अगस्त को विमान 300 फीट नीचे गिरा था।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान (एआई2379) में 300 फीट के अचानक आए ड्रॉप और यात्रियों के घायल होने के मामले में एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस उड़ान के पायलट-इन-

कमांड (मुख्य पायलट) का दूसरा डोप टेस्ट भी पॉजिटिव पाया गया है। एअर इंडिया के सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के बाद तय मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत दोनों पायलटों का अनिवार्य साइकोएक्टिव सब्सटेंस (डोप) टेस्ट कराया गया था। शुरुआती स्क्रीनिंग रिपोर्ट में मुख्य पायलट के सैंपल पॉजिटिव पाए गए, जिसके बाद अंतिम और विस्तृत पुष्टि के लिए उनके सैंपल को एक और प्रयोगशाला (लैब) भेजा गया था।

» (शेष पेज 06 पर)

गांजा के सेवन की हुई पुष्टि

सूत्रों ने पुष्टि की है कि लैब से आई दूसरी रिपोर्ट में भी पायलट के मारिजुआना (गांजा) के सेवन की पुष्टि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि टर्बुलेंस की इस घटना के तुरंत बाद विमान में सवार यात्रियों ने भी पायलट के नशे की हालत में होने का आरोप लगाया था और उनकी स्थिति पर सवाल उठाए थे।

» (06 पर)

प्रदर्शन : नारे लगाए- चंदा किसने लूटा है? भाजपा का पलटवार- इन्हें सिर्फ चिल्लाना आता है

अखिलेश और प्रियंका ने संसद के बाहर रखी दानपेटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी सांसदों के साथ संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी अखिलेश के साथ नजर आईं। विपक्षी सांसदों ने 'दूध का दूध और पानी का पानी' लिखे पोस्टर लहराए।

बारिश के बीच सपा सांसद संसद परिसर में एक दानपेटी रखकर प्रदर्शन कर रहे थे। फूल-माला से सजी इस दानपेटी पर ताला लगा हुआ था। उस पर 'लापता' की पर्ची

चिपकी थी। नीचे लगे पोस्टर पर लिखा था- सरकार को बताना होगा कि मंदिर का चढ़ावा आखिर कहां गया। प्रदर्शन के दौरान सपा सांसद डिंपल यादव ने दानपेटी में पैसे डाले। जब वह वापस लौटने लगीं, तो फिरोजाबाद से सपा सांसद अक्षय यादव ने कहा- इसे बचा के रखना पड़ेगा, कहीं ये पैसे बीजेपी वाले छीन के न ले जाएं। इसके बाद कांग्रेस सांसद भी प्रदर्शन में शामिल हो गए। 'चंदा किसने लूटा है?'

» (शेष पेज 06 पर)

> समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, "चंदा चोरी का मामला केवल राष्ट्रीय नहीं है ये अंतरराष्ट्रीय है विदेशों से लोगों ने अरबों डॉलर भेजे हैं लेकिन उनका पता नहीं चल रहा है सोना-चांदी कहां गया? इसका पता नहीं है कोई हिसाब नहीं है ये लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं इस मुद्दों को हम छोड़ नहीं सकते हैं।"

सांसद चंद्रशेखर बोले- सरकारें संवेदनहीन हो गई हैं

विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा- झारखंड के बच्चों के मुद्दे को, लखनऊ के बच्चों के मुद्दों को उठाना चाहिए। जहां-जहां चाहे वो इलाहाबाद हो, लखनऊ हो उन सारे मुद्दों को उठाना चाहिए और उनको न्याय मिले। अब सरकारें संवेदनहीन हो गई हैं उसका खामियाजा लोकतंत्र में उन्हीं आवाजों को भुगतना पड़ेगा, जिन आवाजों ने टैक्स देकर सरकारों को बनाया है।

दिल्ली में साइबर ठगी का खुलासा, 9 आरोपी पकड़े

16 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी सामने आई

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने देशभर में साइबर फ्रॉड से जुड़े 9 लोगों को गिरफ्तार किया। इन पर निवेश के नाम पर लोगों का ठगने का आरोप है। इन्हें पिछले दिनों केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब से पकड़ा गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इन आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि इनका नेटवर्क कतर और दुबई से जुड़ा है। वहां बैठे लोग इनकी मदद करते थे। इनके खिलाफ 34 शिकायतें पुलिस को मिली थीं। इन पर 15.71 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का आरोप

- फर्जी ट्रेडिंग मुनाफा दिखाकर निवेश के लिए भरोसा दिलाया

है। ताजा मामला दिल्ली के पालम कॉलोनी के निवासी की शिकायत के बाद सामने आया। उसने बताया कि उसे निवेश सीखने वाले सोशल मीडिया ग्रुप में जोड़कर फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए मुनाफा दिखाकर निवेश कराया गया।

» (शेष पेज 06 पर)

डीएम-एसएसपी घुटनों तक पानी में चले, 10 शहरों में बारिश, 46 में अलर्ट

मेरठ-संभल में घरों में घुसा पानी मुजफ्फरनगर में सड़कें तालाब

जलमग्न

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह से मेरठ, संभल, बिजनौर और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मेरठ और संभल में इतनी बारिश हुई कि गलियां और कॉलोनियां तालाब बन गईं। घरों और दुकानों में एक-एक फीट तक पानी भर गया।

मुजफ्फरनगर में कांवड़ रूट और शिव चौक पर 2-3 फीट पानी भर गया। डीएम उमेश मिश्रा और एसएसपी संजय वर्मा बारिश के बीच घुटनों तक पानी में उतरे। लखनऊ और आसपास के इलाकों में भी बूंदाबांदी हुई। आज 46 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें आगरा में भारी बारिश होने की संभावना है। उधर, पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी की नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। सभी 84 घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर के 6 द्वारों में से मुख्य काशी विश्वनाथ मंदिर घाट (गंगा द्वार) को बंद कर दिया गया है।

मथुरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वृंदावन में केशी घाट का परिक्रमा मार्ग जलमग्न हो गया है। बिजनौर और फर्रुखाबाद बाढ़ की चपेट में हैं। गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। आसपास की कई सड़कें डूब गई हैं। गांवों में नावें चल रही हैं। सहारनपुर में भारी बारिश की वजह से गंडराव नदी और शाकंभरी मंदिर के पास की बरसाती नदी में सैलाब आ गया। मंदिर के प्रवेश द्वार पर दो फीट तक पानी भर गया। तेज बहाव में मिर्जापुर क्षेत्र का रपटा पुल क्षतिग्रस्त हो गया। नदी का पानी दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे के ऊपर से बहने लगा।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-उत्तरी मध्य प्रदेश में हवा का दबाव कम हो गया है। जब कहीं हवा का दबाव कम होता है, तो वह आसपास के बादलों को खींचने लगता है।

मेरठ में बारिश के कारण जगह-जगह भारी जलभराव हो गया है। मेडिकल अस्पताल में बनी टीबी रोग की ओपीडी में अंदर तक भी पानी पहुंच गया।

सहारनपुर में जान जोखिम में डालकर पुल पार कर रहे लोग

सहारनपुर में मिर्जापुर क्षेत्र की शाहपुर गाड़ा नदी उफान पर है। पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। लोग जान जोखिम में डालकर पुल पार कर रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान बरसाती नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है और कुछ ही देर में रास्ते खतरनाक हो जाते हैं। ऐसे में प्रशासन को संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाकर लोगों को तेज बहाव में नदी पार करने से रोकना चाहिए। ताकि कोई अनहोनी न हो सके।

मुजफ्फरनगर में सड़कों पर जलभराव के बाद डीएम-एसएसपी खुद पानी में उतरे और हालात का जायजा लिया।

जेम पोर्टल पर 31.34 लाख की साइबर ठगी

प्रयागराज में ठेकेदार को कोड बताकर भरोसा जीता

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल पर एक ठेकेदार के बैंक खाते की जानकारी बदलकर 31.34 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कराने के मामले में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को सरकारी ब्रोकर बताते हुए शिकायतकर्ता का भरोसा जीता था। पुलिस ने उसके कब्जे से लेनदेन में इस्तेमाल एंड्रॉयड मोबाइल और सिम बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, नीलेश कुमार अहिरवार (33) निवासी कोटरा सुल्तानाबाद, कमला नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश, खुद को सरकारी ब्रोकर बताता था। उसने शिकायतकर्ता को बताया था कि GeM पोर्टल पर पंजीकृत मूल उपकरण निर्माता कंपनियों से उसकी अच्छी जान-पहचान है और वह विभिन्न ब्रांड के उत्पाद बेचने के लिए जरूरी ओईएम ऑथराइजेशन कोड उपलब्ध करा सकता है। उसने इसके बदले कमीशन लेने की बात कही थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पहले शिकायतकर्ता को कई ऑथराइजेशन कोड उपलब्ध कराए, जो सही पाए गए। इससे शिकायतकर्ता का उस पर भरोसा बढ़ गया। इसके बाद शिकायत-कर्ता ने आरोपी को अपने GeM पोर्टल की लॉगिन आईडी और पासवर्ड दे दिया, ताकि वह उसकी ओर से पोर्टल का इस्तेमाल कर सके।

फास्ट न्यूज

चोर ने लुंगी डांस किया, 5 लाख की केटीएम-बाइक चुराई

वाराणसी। वाराणसी में एक युवक ने एजेंसी से केटीएम एडवेंचर 390 एस (KTM Adventure 390 S) बाइक चोरी कर ली। बाइक की ऑन-रोड कीमत करीब 4 लाख 71 हजार रुपए बताई जा रही है। आरोप है कि युवक सोमवार रात करीब 11:30 बजे एजेंसी पहुंचा। उसके हाथ में किसी देवी माता की तस्वीर थी। उसने कटर से एजेंसी के शीशे वाले गेट को काटा और अंदर घुस गया।

लीबिया-जार्डन में नौकरी के नाम पर 2.21 लाख की ठगी

गोरखपुर । गोरखपुर में पुलिस ने मंगलवार को शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी लीबिया और जार्डन में नौकरी दिलाने के नाम पर सिद्धार्थनगर के युवक से 2.21 लाख रुपये लेकर हड़प लिए थे। युवक को फर्जी वीजा और फ्लाइट का टिकट पकड़ा दिया था। जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद पीड़ित युवक ने शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवा दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान बिहार सिवान के ताड़ी बाजार हरनाथपुर निवासी धनंजय सिंह के रूप में हुई।

डॉ एनपी सिंह वाराणसी के नए सीएमओ

वाराणसी । संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मिर्जापुर मंडल डॉ नरेंद्र प्रताप सिंह को वाराणसी का नया सीएमओ बनाया गया है। डॉ एनपी सिंह पूर्व में वाराणसी नगर निगम के साथ नगर स्वास्थ्य अधिकारी का लंबे समय तक पदभार संभाल चुके हैं। इसके अलावा शासन स्तर से वाराणसी के पंडित दीन दयाल चिकित्सालय और लाल बहादुर चिकित्सालय रामनगर में भी चीफ मेडिकल ऑफिसरों की नियुक्ति की है।

अतीक के करीबियों ने टोल गेट तोड़ा, दबंगई का सीसीटीवी

उमर के काफिले की गाड़ियों ने पुलिसवालों को कुचलना चाहा, रील बनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । माफिया अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर से जुड़ा एक और विवाद सुर्खियों में है। उमर के करीबियों ने टोल प्लाजा पर दबंगई और गुंडई दिखाई, जिसका CCTV सामने आया है। असल में अतीक के छोटे बेटे अबान की मौत के बाद सुपुर्द-ए-खाक में शामिल होने के लिए लखनऊ जेल से उमर को प्रयागराज लाया जा रहा था।

इस दौरान पुलिस वैन के पीछे अतीक-उमर के समर्थक 30 से ज्यादा गाड़ियों का काफिला लेकर चले। काफिले की गाड़ियां नवाबगंज टोल प्लाजा पहुंचीं तो टोल के लिए रोका गया। इस दौरान कुछ युवक गाड़ियों से उतरे और टोल का बूम बैरियर तोड़कर उसे हाथ में उठा लिया। इसके बाद एक-एक कर काफिले की गाड़ियां टोल से निकल गईं। टोलकर्मियों ने विरोध किया तो युवकों ने उन्हें धमकाया।

पुलिस को सूचना दी गई। आगे चकिया में पुलिस ने काफिले को रोकना चाहा तो पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश की गई। ऐसा ही काफिले के लोगों ने प्रतापगढ़ में भी किया था। प्रयागराज में 28 गाड़ियों और प्रतापगढ़ में 2 गाड़ियों पर FIR हुई है। 32 सेकेंड के वीडियो में आगे पुलिस की 3 गाड़ियां निकलती हैं। फिर उमर की वैन, उसके पीछे पुलिस की 1 गाड़ी निकलती है। इसके पीछे एक-एक कर 10 गाड़ियां तेज रफ्तार में निकलती हैं।

17 सेकेंड के वीडियो में उमर के करीबियों के काफिले की गाड़ियां नवाबगंज टोज प्लाजा पर पहुंचती हैं। 4 से 6 युवक एक गाड़ी से उतरते हैं। दौड़ते हुए टोल प्लाजा का बूम बैरियर हाथ से उठाकर तोड़ देते हैं। पकड़े खड़े रहते हैं। फिर एक-एक गाड़ियों का काफिला निकलता है। 18 सेकेंड का वीडियो चकिया का है। पुलिस के मुताबिक, नवाबगंज टोल पर दबंगई की सूचना मिली। इसके बाद यहां उमर और पुलिस की वैन को निकालकर बाकी काफिले की गाड़ियों को रोकने की कोशिश की गई।

पीड़ित बोली- कमरे में बुलाकर कपडे फाड़े, धमकाया- करियर बर्बाद कर दूंगा

प्रोफेसर पर बी टेक छात्रा से रेप की एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में B-Tech छात्रा ने प्रोफेसर पर रेप की FIR कराई है। छात्रा का कहना है कि प्रोफेसर ने कमरे में स्टडी के लिए बुलाया। पढ़ाने के दौरान प्रोफेसर ने छेड़छाड़ शुरू कर दी। मेरे कपड़े फाड़ दिए। विरोध करने पर धमकाया- अगर शोर मचाया या किसी को कुछ बताया तो फेल कर दूंगा। डिग्री रुकवा दूंगा। करियर खराब कर दूंगा।

वारदात मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT) की है। पीड़ित छात्रा ने बताया कि जैसे-तैसे वह अपने कमरे पहुंची। डरी-सहमी रही। अगले दिन वह शिवकुटी थाने पहुंची। पुलिस ने

शिकायत की। उड़ीसा की रहने वाली छात्रा ने पुलिस को दी एप्लीकेशन में बताया- मैं बीटेक में पढ़ती हूं। एक साल पहले प्रोफेसर सौगातो राय मुझे पढ़ाते थे। छुट्टियों में मेरे घरवाले यहां आ गए। कॉलेज के गेस्ट हाउस में रुके थे। एक दिन हम सभी लोग खाना खा रहे थे। तभी प्रोफेसर सौगातो राय भी वहां आ गए। वह मेरे घरवालों के पास आया और बोला कि आपकी बेटी को मैं पढ़ाता हूं। तब मेरी मां ने प्रोफेसर से पढ़ाई में मदद करने की बात कही थी। उस समय प्रोफेसर सौगातो राय ने कहा कि मैं मदद करूंगा। मगर मैं अपने केबिन में नहीं पढ़ा सकता। वहां पढ़ाऊंगा तो लोग गलत आरोप लगाएंगे। यह मेरे फ्लैट पर आए तो मैं पढ़ा सकता हूं।

आवास पर बुलाकर रेप किया, फेल करने की धमकी दी

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मैं पैदल उसके आवास पर पहुंची। यहां उसने मुझसे कहा कि बेड पर बैठ जाओ। आज यहीं पढ़ाएंगे। मैं बैठी तो वह मुझे छूने लगा। मैंने कहा कि तुम शादीशुदा हो। मैं आपकी स्टूडेंट हूं। आप ऐसा बिहैव नहीं कर सकते। मैंने विरोध किया और उठकर जाने लगी। तभी उसने मुझे धक्का देकर बेड पर गिरा दिया। मेरे कपड़े फाड़ दिए। मेरे साथ रेप किया। किसी तरह मैं भागकर अपने घर पहुंची।

थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह यादव ने कहा पीड़ित छात्रा की शिकायत पर एफआईआर करके आरोपी प्रोफेसर सौगातो राय को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित का मेडिकल कराया जा रहा है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस डिजिटल सबूत और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

सूरतगंज में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

भारत माता के जयघोष से गूंजा कस्बा पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी की अगुवाई में निकली यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को बाराबंकी जनपद के सूरतगंज कस्बे में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ कस्बा स्थित हनुमान मंदिर से हुआ। पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए। तिरंगा यात्रा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर सूरतगंज कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई सूरतगंज ब्लॉक परिसर की ओर रवाना हुई। पूरे रास्ते में देशभक्ति के नारों और हाथों में लहराते तिरंगे से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत नजर आया। यात्रा में युवाओं के साथ-साथ भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का नेतृत्व सूरतगंज मंडल अध्यक्ष सुशील कुमार वर्मा ने किया। इस दौरान पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीर जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। युवाओं को देश के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। तिरंगा यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। यात्रा में शामिल लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने भी यात्रा का स्वागत किया और तिरंगे के प्रति सम्मान प्रकट किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण, सुधीर सिंह, आशीष सिंह, अमरेन्द्र प्रताप सिंह, शिव गोबिंद अवस्थी,अरबिंद कुमार बारी, देव पांडे, समाजसेवी श्याम गुप्ता, अरुणेश वर्मा, अनुपम राजपूत, भुल्लन अवस्थी, नीरज, ज्ञानू शुक्ला, सुधीर वर्मा, देशराज राजपूत समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

फूड विभाग की छापेमारी से सूरतगंज में मचा हड़कंप पनीर-खोवा के लिए नमूने

10 किलो खराब लड्डू मौके पर कराया नष्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मंगलवार को सूरतगंज कस्बे में उस समय दुकानदारों में खलबली मच गई, जब खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने कस्बे में छापेमारी शुरू कर दी। फूड विभाग की कार्रवाई की खबर जैसे ही बाजार की अन्य दुकानों तक पहुंची, कई दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें बंद कर मौके से हट गए। अचानक हुई कार्रवाई से पूरे कस्बे में हड़कंप की स्थिति बनी रही।

फूड इंस्पेक्टर अनुराधा मिश्रा ने सूरतगंज चौराहा स्थित छोटू की मिठाई की दुकान पर पहुंचकर खाद्य पदार्थों की जांच की। इस दौरान टीम ने दुकान से पनीर और खोवा के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे। जांच के दौरान दुकान पर रखे करीब 10 किलो लड्डू खराब पाए गए, जिन्हें मौके पर ही बिक्री योग्य नहीं मानते हुए तत्काल नष्ट करा दिया गया।खाद्य विभाग की कार्रवाई के दौरान आसपास के दुकानदारों में भी हड़कंप मचा रहा। जैसे ही टीम के पहुंचने की जानकारी अन्य दुकानदारों को हुई, कई दुकानों के शटर गिरने लगे। बाजार में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी जैसा माहौल दिखाई दिया। खाद्य विभाग की टीम ने दुकानदारों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी। फूड इंस्पेक्टर अनुराधा मिश्रा ने बताया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खराब, बासी या गलत तरीके से रखी गई मिठाई अथवा अन्य खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी कीमत पर खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। खाद्य विभाग की इस कार्रवाई से जहां मिलावट और खराब खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदारों में चिंता बढ़ी है, वहीं स्थानीय लोगों ने भी कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि समय-समय पर ऐसी जांच होने से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

डायवर्ट : रनवे में आई अचानक गड़बड़ी, कई फ्लाइट्स डायवर्ट; काउंटर पर यात्रियों की भीड़ लगी

काशी में हवा में चक्कर लगाता रहा विमान, वापस लौटा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार दोपहर एयरपोर्ट के रनवे में अचानक खराबी आ गई। एयरपोर्ट प्रबंधन ने तत्काल रनवे को बंद कर सभी फ्लाइट्स को डायवर्ट करना शुरू किया। इस दौरान दिल्ली से आई इंडिगो की फ्लाइट (6E-5025) करीब आधे घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही, लेकिन उसे लैंडिंग की इजाजत नहीं मिली। बाद में फ्लाइट को अयोध्या डायवर्ट कर दिया गया। ऐसे ही इंडिगो की अहमदाबाद से आ रही फ्लाइट (6E-6805) और नवी मुंबई से आ रही फ्लाइट (6E-2442) को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। अयोध्या, दिल्ली और लखनऊ से वाराणसी के लिए उड़ान भरने वाली तीन फ्लाइट्स को वहीं रोक दिया गया। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। एयरलाइंस के काउंटर पर यात्रियों की भीड़ लग गई। डायवर्ट हुई फ्लाइट्स के यात्रियों को लेने पहुंचे परिजन काफी परेशान दिखे। फोन कर उनका हाल-चाल जानते रहे। हालांकि, रनवे में किस तरह की खराबी आई थी, इसकी आधिकारिक जानकारी एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से अब तक जारी नहीं की गई है। प्रशासन से जल्द से जल्द विमानों का संचालन बहाल कराने का दावा कर रहा है। वाराणसी एयरपोर्ट के निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि मंगलवार दोपहर एक फ्लाइट के लैंड होने के बाद पायलट ने ATC को रनवे पर गड़बड़ी के बारे में बताया। इसके बाद एयरपोर्ट की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जो विमान वाराणसी के हवाई क्षेत्र में पहुंच चुके थे, उन्हें डायवर्ट किया गया।

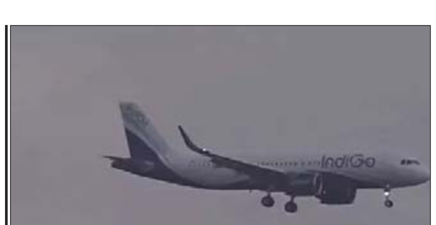

रनवे 4,000 मीटर से ज्यादा लंबा किया जा रहा

वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तार का काम करीब 2,870 करोड़ रुपए की लागत से चल रहा है। इसके तहत नई और बड़ी टर्मिनल बिल्डिंग बनाई जा रही है। इससे एयरपोर्ट की यात्री क्षमता बढ़ेगी। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

प्रोजेक्ट के तहत मौजूदा 2,750 मीटर लंबे रनवे को बढ़ाकर 4,000 मीटर से ज्यादा किया जा रहा है। इससे बड़े विमानों की आवाजाही आसान होगी। इसके अलावा एयरपोर्ट पर देश का पहला रनवे अंडरपास (टनल) भी बनाया जा रहा है।

फ्लाइट्स डायवर्ट होने से एयरपोर्ट पर पहुंचे यात्री काफी परेशान नजर आए। लोग एयरलाइंस के काउंटर पर पहुंचकर उड़ानों की स्थिति की जानकारी लेते रहे। वहीं, कई यात्री फोन पर एयरलाइन अधिकारियों और अपने घरवालों से संपर्क कर अपडेट लेते नजर आए।

उन्होंने बताया- वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (बाबतपुर) पर रनवे के विस्तार का काम चल रहा है।

योगी सरकार में बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि जुलाई 2026 में प्रदेश के विभिन्न विद्युत वितरण निगमों में कुल 20.17 लाख शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से करीब 99.01 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है। शिकायतों के प्रभावी और समयबद्ध समाधान के लिए विभागीय स्तर पर लगातार निगरानी और त्वरित कार्रवाई की गई। बिजली आपूर्ति, बिल, मीटर, कनेक्शन समेत विभिन्न समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी गई। शिकायत निस्तारण की यह स्थिति प्रदेश में बेहतर उपभोक्ता सेवा, सक्रियता और विभागीय जवाबदेही को दर्शाती है। जुलाई महीने में प्रदेश के पांचों विद्युत वितरण निगमों में उपभोक्ताओं की ओर से बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज कराई गईं।

'इस्लाम अपनाने पर पिता ने 2 बेटियों को कैद रखा'

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- बालिग को धर्म चुनने की आजादी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने वाली दो बालिग बहनों को पिता ने उनकी मर्जी के खिलाफ घर में रखा। दोनों ने अपनी इच्छा से धर्म बदला था। कानूनी अधिकार के बिना उनकी आजादी पर रोक लगाना गैर-कानूनी हिरासत है। संविधान से मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

कोर्ट ने पिता और यूपी सरकार को दोनों बहनों को 25 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा- बालिग व्यक्ति को अपनी आस्था चुनने और अपनी जिंदगी के फैसले लेने की आजादी है, बशर्ते वह कानून के दायरे में हो। जस्टिस संदीप जैन की पीठ ने आगरा की दीया भाटिया उर्फ जोया दीया भाटिया (20) और अंशु भाटिया उर्फ अमीना अंशु भाटिया (35) की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर यह आदेश दिया। दोनों बहनें 24 मार्च 2025 को घर से चली गई थीं। 41 दिन बाद पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया। इसमें साइमा उर्फ खुशबू को नामजद किया गया था। करीब 4 महीने बाद दोनों बहनें 1,300 किलोमीटर दूर कोलकाता में मिलीं। पुलिस ने उन्हें बरामद कर पिता को सौंप दिया था। धर्मांतरण मामले में अब्दुल रहमान कुरैशी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था।

पांच करोड़ तक की परियोजनाओं पर अनुदान और उत्पादों की ब्रांडिंग में मिलेगी सहायता

चार स्वाद को मिलेगा कारोबार का नया मंच

आयोजन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिले के पारंपरिक व्यंजनों को कारोबार से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक जनपद एक व्यंजन योजना को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में स्थानीय व्यंजनों के उत्पादन को बढ़ाने, उद्यमियों को वित्तीय सहायता देने और उत्पादों की पैकेजिंग व बाजार तक पहुंच बढ़ाने की जानकारी दी गई।

योजना में केवल उत्पादन तक ही सहायता सीमित नहीं है। उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रचार और विपणन के लिए भी नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके तहत प्रदेश में होने वाले स्थानीय मेलों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों व प्रदर्शनियों के साथ प्रदेश के बाहर और विदेशों में आयोजित व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए सहायता दी जा सकेगी।

कार्यशाला में विशेषज्ञ विजय सिंह ने उद्यमियों को पैकेजिंग, GMP, GHP, पंजीकरण प्रक्रिया और खाद्य सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने, सुरक्षित पैकेजिंग करने और आवश्यक पंजीकरण व मानकों का पालन करने के महत्व पर भी चर्चा हुई।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने पात्र उद्यमियों से योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा मिलने से पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान मिल सकती है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी न्यायिक, सहायक आयुक्त खाद्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और उद्यमी मौजूद रहे।

बालूशाही से लाल गन्ने की गोटी तक, चार व्यंजन सूची में

उपायुक्त उद्योग ने बताया कि योजना के तहत अंबेडकरनगर के लिए बालूशाही, चाट, खजला और लाल गन्ने की गोटी को चिन्हित किया गया है। इनसे जुड़े पात्र उद्यमियों और इकाइयों को उत्पादन, सेवा और व्यापार श्रेणी में नियमानुसार वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योजना का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले इन व्यंजनों को बेहतर उत्पादन व्यवस्था, सुरक्षित पैकेजिंग और व्यापक बाजार उपलब्ध कराने से जोड़ना है।

25 लाख की परियोजना पर 25 प्रतिशत तक अनुदान

कार्यशाला में उद्यमियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी भी दी गई। 25 लाख रुपये तक की कुल परियोजना लागत पर अधिकतम 25 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है।

इसी तरह 25 लाख से अधिक और 50 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर अधिकतम 20 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। वहीं, 50 लाख से अधिक और पांच करोड़ रुपये तक की परियोजना लागत वाली इकाइयों को 10 प्रतिशत या 50 लाख रुपये, जो भी कम हो, अनुदान दिए जाने का प्रावधान बताया गया।

अंबेडकरनगर के चार स्वाद को मिलेगा कारोबार का नया मंच

बालूशाही, चाट, खजला और लाल गन्ने की गोटी चयनित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के पारंपरिक व्यंजनों को कारोबार से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक जनपद एक व्यंजन (ODOC) योजना को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में स्थानीय व्यंजनों के उत्पादन को बढ़ाने, उद्यमियों को वित्तीय सहायता देने और उत्पादों की पैकेजिंग व बाजार तक पहुंच बढ़ाने की जानकारी दी गई।

उपायुक्त उद्योग ने बताया कि योजना के तहत अंबेडकरनगर के लिए बालूशाही, चाट, खजला और लाल गन्ने की गोटी को चिन्हित किया गया है। इनसे जुड़े पात्र उद्यमियों और इकाइयों को उत्पादन,

सेवा और व्यापार श्रेणी में नियमानुसार वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

योजना का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले इन व्यंजनों को बेहतर उत्पादन व्यवस्था, सुरक्षित पैकेजिंग और व्यापक बाजार उपलब्ध कराने से जोड़ना है। कार्यशाला में उद्यमियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी भी दी गई। 25 लाख रुपये तक की कुल परियोजना लागत पर अधिकतम 25 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। इसी तरह 25 लाख से अधिक और 50 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर अधिकतम 20 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। वहीं, 50 लाख से अधिक और पांच करोड़ रुपये तक की परियोजना लागत वाली इकाइयों को 10 प्रतिशत या 50 लाख रुपये, जो भी कम हो, अनुदान दिए जाने का प्रावधान बताया गया। योजना में केवल उत्पादन तक ही सहायता सीमित नहीं है। उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रचार और विपणन के लिए भी नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके तहत प्रदेश में होने वाले स्थानीय मेलों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों व प्रदर्शनियों के साथ प्रदेश के बाहर और विदेशों में आयोजित व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए सहायता दी जा सकेगी।

फास्ट न्यूज

अकबरपुर तहसील में बिजली गुल

अंबेडकरनगर। अकबरपुर तहसील परिसर में मंगलवार को बिजली आपूर्ति बाधित होने से सप्लाई और निर्वाचन कार्यालय का कामकाज प्रभावित रहा। कार्यालय में बिजली नहीं होने के कारण कर्मचारियों को सरकारी कार्य निपटाने में दिक्कत हुई। वहीं, जरूरी काम से तहसील पहुंचे फरियादियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

तहसील के दोनों कार्यालयों में अलग-अलग कार्यों के लिए लोग पहुंचे थे।

आईटीआई प्रवेश की आवेदन तिथि बढ़ी

अंबेडकरनगर। राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 15 अगस्त की रात 12 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। तिथि बढ़ने से तय समय में आवेदन नहीं कर पाने वाले अभ्यर्थियों को एक और मौका मिल गया है।

जिले में चार राजकीय और 58 निजी आईटीआई संचालित हैं। इन संस्थानों में विभिन्न ट्रेडों की सीटों पर प्रवेश राज्य स्तरीय मेरिट के आधार पर होगा। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

पुलिसकर्मी को ब्लड की जरूरत पड़ी तो आगे आए बरकत अली

अंबेडकरनगर। पुलिस ऑफिस में तैनात उपनिरीक्षक राजेश कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ गई। मूल रूप से बलिया के रहने वाले राजेश कुमार को परिवारजन इलाज के लिए शुभम हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल रक्त की जरूरत बताई। परिवार ने रक्त की व्यवस्था के लिए कई लोगों से संपर्क किया, लेकिन अंबेडकरनगर पहुंचकर रक्तदान करने के लिए कोई तैयार नहीं हुआ।

अकबरपुर में सड़क विवाद ने लिया नया मोड़

ग्रामीणों ने लगाए ब्लैकमेलिंग के आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर के बनगांव-डिहवा क्षेत्र में सड़क निर्माण को लेकर चल रहे विवाद के बीच ग्रामीणों ने धीरेंद्र प्रताप सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि सड़क निर्माण संबंधी शिकायतों और कार्रवाई का हवाला देकर लोगों पर दबाव बनाया जा रहा है तथा रुपये की मांग की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर आरोप सही मिलने पर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण में शिकायत होने पर संबंधित विभाग या प्रशासन के समक्ष बात रखना सामान्य प्रक्रिया है लेकिन आरोप है कि यहां शिकायत को आधार बनाकर लोगों को परेशान किया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि कुछ लोगों से संपर्क कर शिकायत और कार्रवाई की बात कही गई तथा इसी

दौरान रुपये मांगे गए। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क निर्माण में गड़बड़ी की जांच से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। विभाग दस्तावेजों, भुगतान, गुणवत्ता और तकनीकी मानकों की पड़ताल कर सकता है। उनकी आपत्ति शिकायत के नाम पर कथित दबाव और रुपये मांगने को लेकर है। उनका कहना है कि शिकायत वापस लेने या कार्रवाई रोकने के नाम पर धन मांगने के आरोपों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क निर्माण के साथ रुपये मांगने के आरोपों की भी जांच कराने की मांग की है।

अब 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ 16 अगस्त तक भरें फॉर्म

यूपी बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का आवेदन नहीं कर सके छात्र-छात्राओं के लिए राहत की खबर है। पांच अगस्त को सामान्य आवेदन की समय सीमा खत्म होने के बाद अब बोर्ड ने विलंब शुल्क के साथ आवेदन का मौका दिया है। विद्यार्थी 100 रुपये विलंब शुल्क जमा कर 16 अगस्त तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ कुमार सिंह ने बताया कि निर्धारित समय में परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाने वाले विद्यार्थियों को विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने का अवसर दिया गया है। विद्यार्थियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म भरकर शुल्क जमा करना होगा।

इसी के साथ कक्षा नौ और 11 के विद्यार्थियों का पंजीकरण भी

कराया जा रहा है। विद्यालयों को संबंधित विद्यार्थियों की प्रक्रिया समय से पूरी कराने के निर्देश दिए गए हैं। निजी और पत्राचार माध्यम से हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए जिले में 12 अग्रसारण केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इन अभ्यर्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म इन्हीं केंद्रों के माध्यम से जमा करने होंगे। अग्रसारण केंद्र अकबरपुर, टांडा, जहांगीरगंज, रामनगर, जलालपुर और भीटी क्षेत्र के विभिन्न इंटर कॉलेजों में बनाए गए हैं। डीआईओएस ने विद्यार्थियों और संबंधित विद्यालयों से आवेदन प्रक्रिया निर्धारित समय में पूरी करने को कहा है। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा आवेदन से जुड़ी औपचारिकताएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि अंतिम समय में किसी तरह की परेशानी न हो।

महामाया मेडिकल कॉलेज, चिकित्सकों और कर्मचारियों ने थामा राष्ट्रीय ध्वज

'हर घर तिरंगा' अभियान में परिसर में बांटे गए तिरंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन के निर्देश पर चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत मंगलवार को महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज परिसर में विशेष आयोजन किया गया। चिकित्सकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य स्टाफ ने अभियान में भाग लेते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का संदेश दिया।

अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज में कर्मचारियों और चिकित्सकों को तिरंगे वितरित किए गए। प्रधानाचार्य कार्यालय में रामजीत बाबू ने प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव को तिरंगा भेंट किया। इसके बाद कॉलेज की विभिन्न ओपीडी, कार्यालयों और कार्यस्थलों पर चिकित्सकों, फैकल्टी और कर्मचारियों को राष्ट्रीय ध्वज दिए गए। यह आयोजन प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव के दिशा-निर्देशन में

ओपीडी और कार्यालयों में दिखा देशभक्ति का रंग

और कल्चरल सोसायटी के सचिव डॉ. पंकज के सहयोग से हुआ।

प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने कहा कि तिरंगा देश की पहचान और गौरव का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखते हुए अपने कार्यों के माध्यम से देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का माध्यम है।

'संगठन सृजन अभियान' के तहत पांचों विधानसभा और नौ ब्लॉकों में कार्यकर्ताओं से होगा सीधा संवाद

कांग्रेस संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कांग्रेस ने संगठन को बूथ और गांव स्तर तक मजबूत करने के लिए 'संगठन सृजन अभियान' शुरू किया है। इसी क्रम में अभियान के पर्यवेक्षक गुंजन पटेल ने अंबेडकरनगर का दौरा किया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिले में संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अभियान केवल जिलाध्यक्ष के चयन तक सीमित नहीं रहेगा। इसके अगले चरण में ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और पंचायत अध्यक्ष के साथ उनकी कमेटियों का गठन किया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और गतिविधियों को अधिक प्रभावी

> अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों और ब्लॉकों में रिपोर्टिंग प्रक्रिया 30 अगस्त तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद संगठन के पुनर्गठन की आगे की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बढ़ाई जाएगी।

बनाना है। पर्यवेक्षक ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 138 संगठनात्मक जिलों के लिए 112 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। अंबेडकरनगर में पांचों विधानसभा क्षेत्रों और नौ ब्लॉकों में कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया जाएगा। सभी ब्लॉकों में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अभियान में भाग ले रहे हैं। गुंजन पटेल ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा में सामाजिक समरसता और धर्मनिरपेक्षता प्रमुख आधार हैं। संगठन के माध्यम से इन मुद्दों को जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा।

जिलाध्यक्ष पद के लिए जुटाए जाएंगे नाम

गुंजन पटेल ने बताया कि अभियान के तहत अंबेडकरनगर में जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन आमंत्रित किए जाएंगे। कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखने वाले और लंबे समय से संगठन में सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम संकलित किए जाएंगे। इन नामों पर पार्टी स्तर पर विचार-विमर्श के बाद केंद्रीय नेतृत्व को सुझाव भेजे जाएंगे। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत जिलाध्यक्ष का चयन किया जाएगा।

छह पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र बदले, तत्काल नई तैनाती के निर्देश

एसओजी प्रभारी रहे संजय पांडेय को साइबर थाने की जिम्मेदारी

जलालपुर और आलापुर से भी उपनिरीक्षकों का तबादला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले की पुलिस व्यवस्था में मंगलवार को बदलाव किया गया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने छह पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए नई तैनाती के आदेश जारी किए। इसमें निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला मुख्य आरक्षी शामिल हैं। आदेश के साथ सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

फेरबदल में सबसे अहम बदलाव निरीक्षक संजय पांडेय का है। अब तक प्रभारी एसओजी, सर्विलांस और स्वाट की जिम्मेदारी संभाल रहे

संजय पांडेय को साइबर थाने भेजा गया है। वहीं उपनिरीक्षक विजय बहादुर सरोज को पुलिस लाइन से डंपिंगयार्ड की जिम्मेदारी दी गई है। कोतवाली जलालपुर में तैनात उपनिरीक्षक संजीव कुमार को कोतवाली भीटी भेजा गया है। वहीं कोतवाली आलापुर में तैनात उपनिरीक्षक राहुल कुमार को फिंगर प्रिंट शाखा में नई जिम्मेदारी दी गई है। उपनिरीक्षक विवेक कुमार सिंह का थाना कटका से फील्ड यूनिट शाखा में तबादला किया गया है।

महिला मुख्य आरक्षी अंजीता मौर्या को कोतवाली भीटी से एएचटी थाना अंबेडकरनगर में तैनाती दी गई है। आदेश में कहा गया है कि सभी पुलिसकर्मी नई तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करें और अनुपालन की सूचना उपलब्ध कराएं। पुलिस विभाग के अनुसार यह फेरबदल रिक्त पदों की पूर्ति और पुलिस कार्य को प्रभावी बनाने के लिए किया गया है। अलग-अलग शाखाओं और थानों में नई तैनाती से संबंधित जिम्मेदारियों का भी पुनर्विन्यास किया गया है।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि "पुलिसकर्मियों की नई तैनाती प्रशासनिक आवश्यकता और रिक्त पदों की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए की गई है।

बीएनकेबी पीजी कॉलेज के 6 कंपनी के कैडेट्स ने लोगों को किया जागरूक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। 65 यूपी बटालियन एनसीसी की 6 कंपनी, बीएनकेबी पीजी कॉलेज अकबरपुर की ओर से मंगलवार को 'टीबी मुक्त भारत' और 'नशा छोड़ो' अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) विवेक कुमार तिवारी ने किया।

रैली का शुभारंभ महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सिद्धार्थ पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने कैडेट्स को टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने और लोगों को बीमारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स 'निक्षय मित्र' के रूप में जागरूकता अभियान में सहयोग करेंगे।

एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) विवेक कुमार तिवारी ने कहा कि युवा समाज में जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत कैडेट्स आगे भी

टीबी मुक्त भारत और नशा छोड़ो अभियान को लेकर एनसीसी कैडेट्स ने निकाली जागरूकता रैली

विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे।

कैडेट्स नुक्कड़ नाटक, पोस्टर-वाल राइटिंग और सोशल मीडिया अभियान के माध्यम से टीबी से जुड़ी गलत धारणाओं और सामाजिक कलंक को दूर करने का प्रयास करेंगे। इसके साथ ही टीबी मुक्त भारत ऐप और खुशी चैटबॉट के उपयोग के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

अभियान के दौरान कैडेट्स टीबी रोगियों को पोषण बास्केट उपलब्ध कराने और आयुष्मान आरोग्य शिविरों में सहयोग करेंगे।

आरोप : नगपुर में शव घर के सामने रखकर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे परिजन

ध्रुव हत्याकांड में 20 घंटे तक नहीं हुआ अंतिम संस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर नगपुर में युवक ध्रुव गुप्ता की हत्या के बाद सोमवार से मंगलवार तक करीब 20 घंटे तक अंतिम संस्कार नहीं हो सका। आरोपियों की गिरफ्तारी समेत अन्य मांगों को लेकर परिजन और ग्रामीण शव को घर के सामने रखकर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। मंगलवार दोपहर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ. तेजवीर सिंह के मौके पर पहुंचने और कार्रवाई का भरोसा देने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए।

जाम समाप्त होने के बाद परिजन शव को घर के सामने ले आए। इसके बाद आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी

और अन्य मांगों को लेकर अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। परिजनों का कहना था कि आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई होने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। करीब 20 घंटे तक शव घर के सामने रहा। इस दौरान पुलिस और प्रशासन के अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए रहे।

पुलिस के आश्वासन के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हो गए। इसके बाद शव को निकटवर्ती घाट ले जाया गया। मौके पर उप जिलाधिकारी मधुमिता सिंह, क्षेत्राधिकारी जलालपुर अनूप कुमार सिंह, कोतवाल अजय प्रताप यादव और जैतपुर थानाध्यक्ष प्रेमचंद समेत पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा शव, तिराहे पर लगाया जाम

रविवार देर रात नगपुर में ध्रुव गुप्ता के साथ तीन नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति ने मारपीट की थी। गंभीर चोट लगने के बाद ध्रुव की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। सोमवार शाम करीब पांच बजे पोस्टमार्टम के बाद शव नगपुर पहुंचा। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने शव को नगपुर खास तिराहे पर रखकर सड़क जाम कर दी। मौके पर पुलिस पहुंची तो दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक कहासुनी हुई। बाद में पुलिस ने जाम समाप्त कराया।

एएसपी पहुंचे तो शुरू हुई बातचीत

मंगलवार दोपहर करीब एक बजे अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ. तेजवीर सिंह गांव पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उनकी मांगें सुनीं। एएसपी ने घटना में शामिल सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का भरोसा दिया।

छत के रास्ते घर में घुसे चोर, आठ लाख के जेवर और 40 हजार नकदी पार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र के मनेरीपुर सरावा गांव में सोमवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पार कर दी। चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर करीब आठ लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और 40 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। मनेरीपुर सरावा निवासी शादाब खान का परिवार रात में घर में सो रहा था। मंगलवार सुबह परिजन सोकर उठे तो घर का सामान बिखरा मिला। कमरे में रखी अलमारी का ताला टूटा था। जांच करने पर उसमें रखे जेवरात और नकदी गायब मिले। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर आलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घर में चोरों के प्रवेश और वारदात के तरीके से जुड़े संभावित सुराग जुटाए। पुलिस अब आसपास

आलापुर के मनेरीपुर सरावा में रात में वारदात, सुबह टूटा मिला अलमारी का ताला पुलिस ने शुरू की जांच

लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके अलावा चोरी की घटना से जुड़े अन्य तकनीकी और मानवीय सुरागों के आधार पर भी जांच की जा रही है।

पीड़ित शादाब खान ने पुलिस से घटना का जल्द खुलासा करने और चोरी गए जेवरात व नकदी बरामद कराने की मांग की है। पुलिस ने परिवार को जल्द घटना का पता लगाने और सामान की बरामदगी के लिए कार्रवाई का भरोसा दिया है।

सम्पादकीय

छात्र हित की अनदेखी

जब किसी समस्या-शिकायत पर समय रहते सही तरह ध्यान नहीं दिया जाता, तब उसके कैसे नतीजे होते हैं, यह पहले दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान देखने को मिला और फिर रांची में छात्रों के विधानसभा मार्च में। दिल्ली की तरह रांची में पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा, क्योंकि भीड़ पुलिस बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ रही थी। निःसंदेह रांची में छात्रों की भीड़ की तुलना जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में जुटी भीड़ से नहीं की जा सकती, क्योंकि दिल्ली में भीड़ में कुछ अराजक तत्व भी शामिल थे। इसके बावजूद इस तथ्य को भी अनदेखा न किया जाए कि पुलिस के पास उस समय बल प्रयोग के अलावा और कोई चारा नहीं रहता, जब कोई समूह किसी निषिद्ध क्षेत्र में जाने की जबरन कोशिश करता है। समस्या यह है कि जब तक कोई आंदोलनरत समूह शांतिपूर्ण रहता है, तब तक सरकारें उसकी परवाह नहीं करतीं। दिल्ली में संसद मार्च और रांची में विधानसभा के घेराव की नौबत नहीं आती, यदि दोनों जगह सरकारें समय पर सक्रियता और संवेदनशीलता दिखातीं।

रांची में राज्य सरकार की ओर से आयोजित परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर झारखंड के छात्र 15 दिनों से अधिक समय से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार तब चेती, जब उसे लगा कि आक्रोशित छात्रों की संख्या बढ़ती जा रही है और वे अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं है। उसने छात्रों के दबाव में उनके प्रतिनिधियों से वार्ता करके यह दावा किया कि उनकी 98 प्रतिशत मांगें मान ली गई हैं, लेकिन छात्र इस दावे को नकार रहे हैं, क्योंकि परीक्षाओं में धांधली की सीबीआइ जांच की उनकी मांग नहीं मानी गई। समझना कठिन है कि जब राज्य सरकार परीक्षाओं में धांधली की जांच कर ही रही है और प्रथमदृष्टया यह सिद्ध हो गया है कि परीक्षाओं में अनियमितता हुई, तब फिर उसे इसकी जांच सीबीआइ से कराने में क्या हर्ज है? यदि केंद्र सरकार कॉकरोच जनता पार्टी के दबाव में शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र ले सकती है, तो झारखंड सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी की सीबीआइ जांच की तार्किक मांग मानने से क्यों इन्कार कर रही है? पता नहीं क्यों सरकारें यह समझने के लिए आसानी से तैयार नहीं होतीं कि जायज मांगों के प्रति केवल संवेदनशील दिखना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि कुछ ठोस कदम भी उठाने पड़ते हैं। इससे ही आक्रोश शांत होता है और पीड़ित लोगों में न्याय मिलने का भरोसा पैदा होता है। यदि झारखंड सरकार छात्रों का भरोसा हासिल नहीं कर सकी तो इसके लिए वही जिम्मेदार है। वह इसके लिए भी जिम्मेदार है कि छात्रों के आंदोलन को लेकर दलगत राजनीति शुरू हो गई और पुलिस बल प्रयोग भी एक मुद्दा बन गया।

> यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है- जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे।

युवा शक्ति को मिले दिशा सपनों को मिले उड़ान

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं। दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा। युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है। आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी।

ललित गर्ग

भारतीय शास्त्रीय संगीत को जन-जन तक पहुँचाने वाले महान संगीत मनीषी पंडित भातखंडे

आज संगीत के उस महान साधक की जयंती है, जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को राजा-महाराजाओं के दरबारों और चुनिंदा घरानों की बंद दीवारों से निकालकर आम लोगों के बीच पहुँचाया। पंडित विष्णु नारायण भातखंडे जी केवल एक विद्वान नहीं थे, बल्कि वे संगीत की दुनिया के वो सच्चे पथप्रदर्शक थे, जिन्होंने बिखरे हुए और जटिल शास्त्रीय संगीत को एक नया रूप और नया जीवन दिया। उनके बिना आज के समय में शास्त्रीय संगीत को समझना और सीखना लगभग नामुमकिन होता। एक जमाना था जब संगीत सिखाने का कोई तय नियम या ढांचा नहीं होता था। हर घराना अपनी बंदिशों और बारीकियों को एक रहस्य की तरह छिपाकर रखता था, जिससे आम इंसान के लिए संगीत सीखना बहुत मुश्किल था। पंडित भातखंडे जी ने इस स्थिति को बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने महसूस किया कि अगर इस विद्या को लिखित रूप में संजोया नहीं गया, तो हमारी यह अनमोल विरासत धीरे-धीरे गुम हो जाएगी। इसी सोच के साथ वे देश के कोने-कोने में घूमे। वे पुराने उस्तादों और गायकों से मिले, उनसे संगीत की पुरानी बंदिशें सीखीं और उन्हें पहली बार कागज़ पर लिखा ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उन्हें आसानी से पढ़ और समझ सकें। उन्होंने संगीत को सरल और सुलभ बनाने के लिए 'दस थाट' की पद्धति बनाई, जिससे रागों को समझना और उनका वर्गीकरण करना बहुत आसान हो गया। इसके साथ ही उन्होंने कई किताबें लिखीं और संगीत की शिक्षा को एक नया ढांचा दिया। उन्होंने महसूस किया कि संगीत को अगर हमेशा के लिए जीवित रखना है तो बड़े-बड़े कॉलेज और संस्थान खोलने होंगे। इसी सोच के साथ उन्होंने लखनऊ में 'मैरिस म्यूजिक कॉलेज' की स्थापना में मुख्य भूमिका निभाई, जिसे आज हम 'भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय' के नाम से जानते हैं। आज पंडित भातखंडे जी के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें याद करना दरअसल उस सोच को नमन करना है, जिसने संगीत को किसी एक वर्ग की जागीर नहीं रहने दिया, बल्कि उसे हर साधारण घर का हिस्सा बनाया। आज अगर हमारी नई पीढ़ी आसानी से राग, ताल और बंदिशें सीख पा रही है, तो इसका सबसे बड़ा श्रेय पंडित भातखंडे जी की तपस्या को ही जाता है। संगीत की यह पावन धारा हमेशा उनकी ऋणी रहेगी।

डॉ. दीपशिखा पांडेय

मेरे विचार से ...

कमलेश पांडेय

सामाजिक न्याय भी चाहिए, प्रतिभा का न्याय भी !

आरक्षण की राजनीति से आगे बढ़े भारत

भारत में आरक्षण पर बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही अधूरी भी। हर कुछ वर्षों में देश दो खेमों में बंट जाता है—एक तरफ वे लोग होते हैं जो आरक्षण को सामाजिक न्याय की अनिवार्य व्यवस्था मानते हैं और दूसरी तरफ वे लोग जो इसे प्रतिभा, प्रतिस्पर्धा और समान अवसर के विरुद्ध बताते हैं। लेकिन क्या भारत की जटिल सामाजिक वास्तविकता को इतनी आसानी से दो खानों में बांटा जा सकता है?जवाब होगा, शायद नहीं।

मसलन आज आवश्यकता इस बात की है कि आरक्षण को न तो पवित्र राजनीतिक प्रतीक मानकर हर सवाल से ऊपर रखा जाए और न ही देश की तमाम समस्याओं का कारण बताकर खारिज कर दिया जाए। आरक्षण की समीक्षा, उसके राजनीतिक दुरुपयोग, क्रीमी लेयर, वास्तविक वंचितों तक लाभ की पहुंच, प्रतिभा और समान अवसर—इन सभी पर खुली और तथ्यपरक बहस होनी चाहिए।

मेरी स्पष्ट सलाह है कि हमारे राजनेतागण, नौकरशाह, न्यायविद और पेशेवर बुद्धिजीवीगण इस सुलगते सवाल पर संतुलित और निष्पक्ष नजरिया अपनाएं। यही

लोकतांत्रिक सामाजिक न्याय है। आपलोग एकजुटता दिखाकर आरक्षित समाज के आभिजात्य वर्गों (क्रीमीलेयर) के हितों को संरक्षित करने से बाज आएं, अन्यथा भारत को इसकी बहुत बड़ी कीमत अबतक चुकानी पड़ी है और आगे भी चुकानी पड़ेगी। भारतीय संविधान ने समानता को केवल कागज पर घोषित नहीं किया। संविधान निर्माताओं ने यह समझा कि सदियों की सामाजिक वंचना के बाद केवल यह कहना पर्याप्त नहीं होगा कि "अब सब बराबर हैं।" लिहाजा, जिस व्यक्ति को शिक्षा से दूर रखा गया, जिसे सार्वजनिक संस्थानों में प्रतिनिधित्व नहीं मिला, जिसे सामाजिक भेदभाव झेलना पड़ा— उसे उसी शुरुआती बिंदु पर खड़ा कर देना जहां पहले से सुविधासंपन्न व्यक्ति खड़ा है, वास्तविक समानता नहीं हो सकती। इसीलिए संविधान ने राज्य को विशेष प्रावधान और आरक्षण की व्यवस्था करने की गुंजाइश दी। अनुच्छेद 15 और 16 समानता तथा विशेष प्रावधानों के संवैधानिक ढांचे का हिस्सा हैं। इसलिए आरक्षण की आवश्यकता के मूल कारण को नकारना इतिहास और संविधान—दोनों के साथ अन्याय होगा। जबकि व्यक्तिगत आरक्षण को जातीय, भाषाई और साम्प्रदायिक मिजाज का जो अमलीजामा पहनाया गया, परिवार विशेष के ही लाभान्वित होते रहने की जो राह छोड़ी गई, वह आपत्तिजनक है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या सात दशक से अधिक समय बाद इस व्यवस्था की समीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या समीक्षा के दौरान राजनेता गण पूर्वाग्रह रहित रह पाते हैं? जब इसके प्रबल समर्थक डॉ भीमराव अंबेडकर ही पलायनवादी साबित हुए, हिन्दू धर्म को छोड़कर बौद्ध धर्म अपना लिया, तो फिर ऐसे व्यक्ति के बनाए नियमों को हर दस साल बाद अग्रसारित कर दिया जाना किंकर्तव्यविमूढ़ता नहीं तो क्या है? ओबीसी आरक्षण में क्रीमीलेयर हो, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में क्रीमीलेयर हो, लेकिन एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर नहीं हो, यही मोदी सरकार का पक्षपात नहीं तो क्या है?

मेरे विचार से आरक्षण की समीक्षा का अर्थ आरक्षण समाप्त करना नहीं, बल्कि आरक्षण की समीक्षा की मांग को तुरंत "आरक्षण विरोध" कहना भी उतना ही गलत है जितना आरक्षण के पक्ष में उठने वाली हर आवाज को "वोट-बैंक की राजनीति" कहना। हर सार्वजनिक नीति की समीक्षा होनी चाहिए। सरकार को पूछना चाहिए— किस वर्ग को कितना लाभ मिला? कौन-से समुदाय अभी भी सबसे पीछे हैं? कौन-से परिवार लगातार पीढ़ियों से आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं? क्या सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा में वास्तविक प्रतिनिधित्व बढ़ा है? क्या आरक्षण से सामाजिक गतिशीलता पैदा हुई है? और सबसे महत्वपूर्ण—क्या आरक्षण का लाभ उस व्यक्ति तक पहुंच रहा है जिसके लिए यह व्यवस्था बनाई गई थी? इन प्रश्नों का उत्तर आंकड़ों से मिलना चाहिए, नारों से नहीं।

राज्य सरकार ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना बनी पारंपरिक शिल्प के पुनरुद्धार और स्वरोजगार का सशक्त माध्यम

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगारपरक योजनाएं युवाओं की आकांक्षाओं को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। पारंपरिक कारीगरों एवं माटीकला से जुड़े शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। इसी संकल्प को धरातल पर उतारने का कार्य माटीकला रोजगार योजना के माध्यम से किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

राज्य सरकार की इस प्रेरणादायी एवं दूरदर्शी पहल के अंतर्गत पारंपरिक उद्योगों को नई पहचान देने तथा स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने का कार्य निरंतर जारी है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर तथा स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के जनपदों में अनेक युवा आज सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं।

कानपुर देहात जनपद के ग्राम अण्डवां (पोस्ट हांसेमऊ) के निवासी श्री आशीष प्रजापति की सफलता इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इंटरमीडिएट तक की शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत पारिवारिक एवं आर्थिक परिस्थितियों के कारण उन्हें मजदूरी का कार्य करना पड़ रहा था। सीमित आय के कारण परिवार का भरण-पोषण तो हो रहा था, किंतु स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने का उनका सपना अधूरा था। इसी दौरान समाचार पत्र के माध्यम से श्री आशीष प्रजापति को माटीकला रोजगार योजना की जानकारी प्राप्त हुई। योजना से प्रेरित होकर उन्होंने जनपद स्तरीय ग्रामोद्योग एवं माटीकला कार्यालय से संपर्क स्थापित किया। विभागीय अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासन के उचित मार्गदर्शन तथा सहयोग से संबंधित बैंक शाखा से 5 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया। इसके साथ ही योजना के प्राविधानों के अनुसार टर्म लोन पर 25 प्रतिशत अनुदान का लाभ भी प्रदान किया गया।

वित्तीय सहायता प्राप्त होने के उपरांत श्री आशीष प्रजापति ने अपनी कुम्हारी कला निर्माण इकाई की स्थापना की। वर्तमान में इस इकाई द्वारा हुंडा, दीये, गुल्लक, मटका, सुराही सहित मिट्टी से निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। इन उत्पादों की आपूर्ति एवं बिक्री जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक की जा रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं को बेहतर बाजार मिल रहा है।

वित्तीय संस्थान से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री आशीष प्रजापति के ऋण खाते का संचालन नियमित एवं संतोषजनक ढंग से किया जा रहा है। व्यवसाय की सफलता ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाया है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। वर्तमान में इकाई का संचालन सुचारू रूप से चल रहा है और इसके विस्तार की योजना पर कार्य किया जा रहा है। श्री आशीष प्रजापति के अनुसार, यदि राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का संबल प्राप्त न हुआ होता, तो वे आज भी असंगठित क्षेत्र में कार्य करते हुए संघर्ष कर रहे होते।

जरा हटके

परियोजना में ...

केवल से0नि0 सूचना अधिकारी

जनपद इटावा के सुमेर सिंह का किला बनेगा ईको टूरिज्म का नया केन्द्र

उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में अब पर्यटन केवल ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विकास का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से विकसित करते हुए उन्हें विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार का पर्यटन विभाग जनपद इटावा स्थित ऐतिहासिक सुमेर सिंह किला क्षेत्र को आकर्षक ईको टूरिज्म केन्द्र के रूप में विकसित कर रहा है। लगभग 1.44 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 1.08 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। इस परियोजना का उद्देश्य किले की ऐतिहासिक गरिमा को सुरक्षित रखते हुए पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना है।

राजा सुमेर सिंह किला क्षेत्र के विकास कार्यों में प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक स्वरूप को विशेष महत्व दिया गया है। परियोजना के अंतर्गत लगभग 400 वर्गमीटर क्षेत्र में ग्रीन पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे, जिससे वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही बैठने के स्थानों के आसपास व्यापक पौधरोपण कर पूरे परिसर को हरित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए किले के अग्रभाग में मजबूत सुरक्षा दीवार तथा आकर्षक रेलिंग का निर्माण कराया जाएगा, जिससे ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित रहने के साथ-साथ आगंतुकों का भ्रमण भी अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित रहे।

इस परियोजना के तहत पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है। परिसर में अत्याधुनिक फूड कोर्ट विकसित किए जाएंगे, जहाँ पर्यटक स्थानीय व्यंजनों का आनंद प्राकृतिक वातावरण के बीच ले सकेंगे। साथ ही स्टोन साइनेज, बीम आधारित बेंच तथा अन्य जनसुविधाएँ विकसित की जाएंगी, जिससे आगंतुकों को स्थल के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व की विस्तृत जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो सके। स्थानीय कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आकर्षक श्री पेंटिंग वॉल तैयार की जाएगी तथा भव्य प्रवेश द्वार पूरे परिसर को नई पहचान प्रदान करेगा। इससे यह स्थल केवल पर्यटन केन्द्र ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। परिसर में एफआरपी बायो-डाइजेस्टर लगाए जाएंगे, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन वैज्ञानिक एवं स्वच्छ तरीके से किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त सोलर लाइटों की स्थापना से ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और रात्रिकाल में भी पूरा परिसर सुरक्षित एवं प्रकाशमान रहेगा। यह पहल उत्तर प्रदेश सरकार की हरित विकास नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को समान महत्व दिया गया है।

यूपी कौशल विकास मिशन : युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और जनसंख्या बहुल राज्य में युवाओं की बड़ी आबादी राज्य की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि इस युवा शक्ति को सही दिशा, प्रशिक्षण और अवसर मिले तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से यूपी कौशल विकास मिशन की शुरुआत की। यह मिशन राज्य के युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और तकनीकी दक्षता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। यूपी कौशल विकास मिशन की उपलब्धियों पर दृष्टि डालें तो इसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिखाई देते हैं। वर्ष 2017-18 से मार्च 2025 तक मिशन के अंतर्गत लगभग 14.13 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है तथा 5.66 लाख से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने में सहायता मिली है। इसके अतिरिक्त विभिन्न 40 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से 77 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए। यह आंकड़े इस मिशन की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षिक डिग्री पर्याप्त नहीं मानी जाती, बल्कि रोजगार के लिए तकनीकी कौशल, व्यावसायिक दक्षता और व्यवहारिक ज्ञान भी आवश्यक हो गया है। बड़ी संख्या में ऐसे युवा है, जो पढ़े-लिखे होने के बावजूद रोजगार से वंचित रह जाते हैं क्योंकि उनके पास बाजार की मांग के अनुरूप कौशल नहीं होता। इसी अंतर को समाप्त करने के लिए यूपी कौशल विकास मिशन की स्थापना की गई, ताकि युवाओं को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सके और उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा सके।

मिशन के अंतर्गत प्रदेश में 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इन प्रशिक्षण केंद्रों में सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिटेल, स्वास्थ्य सेवा, ऑटोमोबाइल, निर्माण कार्य, ब्यूटी एवं वेलनेस, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, पर्यटन, आतिथ्य सेवा, प्लंबिंग, विद्युत कार्य तथा कृषि आधारित गतिविधियों जैसे अनेक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है। इस मिशन की एक बड़ी विशेषता यह है कि प्रशिक्षण केवल सैद्धांतिक नहीं बल्कि व्यवहारिक और उद्योग आधारित होता है।

आदर अदीब पावेल बन्धु

कचरे को समस्या नहीं, ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर में बदलने की जरूरत : मंत्री ए के शर्मा

ग्रेटर नोएडा में इंडिया बायो एनर्जी एंड टेक एक्सपो का भव्य शुभारंभ

संबोधन

- निवेशकों को ऊर्जा मंत्री का आमंत्रण-यूपी आइए, कहीं भी प्लांट लगाइए, प्रदेश में नहीं देना पड़ता गुंडा टैक्स
- बायोएनर्जी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की अपार संभावनाएं, किसानों की आय और ग्रामीण रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा, बायोएनर्जी, निवेश और नवाचार को नई गति देने वाले इंडिया बायोएनर्जी & टेक एक्सपो (IBET Expo)-2026 का आज ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में भव्य शुभारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने इस अवसर पर देश-विदेश से आए विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों एवं प्रतिभागियों को संबोधित किया करते हुए उत्तर प्रदेश को बायोएनर्जी के क्षेत्र में देश का सबसे अग्रणी राज्य बताया। अपने संबोधन में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है, CBG प्रोडक्शन में भी प्रदेश प्रथम स्थान पर है और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश आज पीसफुल स्टेट के रूप में प्रथम स्थान पर है और बिजनेस फ्रेंडली स्टेट के रूप में भी सबसे ऊपर है।

पीएम सूर्य घर, सीबीजी उत्पादन और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम :ऊर्जा मंत्री

उत्तर प्रदेश में बायोएनर्जी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बायोएनर्जी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था, गन्ना उत्पादन, कृषि अवशेष, जैविक अपशिष्ट और नगरीय ठोस कचरा बायोएनर्जी उत्पादन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराते हैं। इन संसाधनों का वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपयोग कर प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा के साथ-साथ किसानों, युवाओं और उद्योगों के लिए नए अवसर सृजित कर सकता है।

निवेश और नई तकनीक के लिए उत्तर प्रदेश में व्यापक अवसर

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि IBET Expo जैसे अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी विशेषज्ञों के सामने अपनी संभावनाओं को प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। प्रदेश सरकार निवेश, तकनीक, नवाचार और उद्योगों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का लक्ष्य केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि नई ऊर्जा तकनीक, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनना है। बायोएनर्जी के क्षेत्र में आने वाले निवेश से प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

कचरे से ऊर्जा और रोजगार का सृजन

शर्मा ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि कचरे को समस्या के रूप में नहीं, बल्कि ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर के रूप में देखा जाए। CBG, बायोगैस, बायोमास और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसी तकनीकें न केवल स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करा सकती हैं, बल्कि कचरा प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी को भी मजबूती प्रदान कर सकती हैं।उन्होंने कहा कि बायोएनर्जी के क्षेत्र में निवेश से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और किसानों के कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। इससे किसानों की अतिरिक्त आय, स्थानीय स्तर पर रोजगार और प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

फास्ट न्यूज

समिट बिल्डिंग फ्रॉड केस में 9 पुलिसकर्मियों पर एक्शन

लखनऊ । लखनऊ में अमेरिका में साइबर ठगी के मामले में लखनऊ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। समिट बिल्डिंग से साइबर फ्रॉड के आरोप में करीब 122 लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद पुलिसकर्मियों पर भी गंभीर आरोप लगे थे। शिकायत थी कि साइबर क्राइम पुलिस के कुछ कर्मचारियों ने आरोपियों को कथित तौर पर पैसे लेकर छोड़ दिया। मामले की जांच के बाद साइबर क्राइम पुलिस के 9 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है।

सचिवालय कर्मियों के वाहनों पर कार्रवाई से आक्रोश

लखनऊ। एनेक्सी सचिवालय परिसर में सचिवालय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वाहनों को नगर निगम द्वारा उठाए जाने की कार्रवाई से कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी परेशान नजर आए और मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही सचिवालय संघ के अध्यक्ष अर्जुन देव भारती तत्काल मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सचिवालय कर्मियों के साथ किसी भी प्रकार की अनुचित कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

होटल में कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ पकड़ा गया इंजीनियर

लखनऊ । लखनऊ में बिजली विभाग के एक इंजीनियर को महिला सहकर्मी के साथ उसके पति ने पकड़ लिया। पति ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। मामले का वीडियो मंगलवार को सामने आया। सूत्रों के मुताबिक, महिला पहले बांदा में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अधिशासी अभियंता के कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर काम करती थी।

एम आई एस सहायक एवं लेखाकार का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

> समापन अवसर पर श्री देवेंद्र कुमार ओझा, संयुक्त मिशन निदेशक ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य संकुल स्तरीय संघ के कैडर को तकनीकी, वित्तीय एवं प्रबंधन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे गांव स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी हो सके।

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं राज्य ग्रामीण विकास संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में मॉडल संकुल स्तरीय संघ के एमआईएस सहायक एवं लेखाकार का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान बक्शी का तालाब में सोमवार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण श्री अरुण कुमार, मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देशन में आयोजित किया गया था। समापन सत्र में क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान के प्राचार्य श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव, डॉ नन्दकिशोर साह, प्रशिक्षण प्रसार अधिकारी श्री रवि प्रकाश एवं सत्र प्रभारी डॉ सीमा राठौर उपस्थित रहे। सिद्धार्थनगर, संत रविदास नगर, औरैया एवं प्रयागराज जनपदों से आए लेखाकारों और एमआईएस सहायकों ने प्रशिक्षण में सक्रिय प्रतिभाग किया। दस दिनों में प्रतिभागियों को वित्तीय प्रबंधन, त्वरित निर्णय क्षमता, सुदृढ़ ऋण प्रणाली एवं पारदर्शी हिसाब-किताब रखने की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि धन का खर्च सही जगह और सही उद्देश्य से कैसे किया जाए तथा लेखा-जोखा को व्यवस्थित एवं प्रदर्शनीय तरीके से कैसे रखा जाए।

सांसदगण एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों एवं खिलाड़ियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए-जयवीर सिंह

द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव के रूप में एक बड़ा आयोजन

- हर घर तिरंगा अभियान-2026' के द्वितीय चरण 09 से 12 अगस्त तक पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम भव्य एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित कराया जाय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में 09 से 17 अगस्त, 2026 के बीच 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के आयोजन हेतु जारी दिशा-निर्देशों के तहत दूसरे चरण के अंतर्गत 09 से 12 अगस्त, 2026 तक हर जिले में स्कूल/कॉलेज तथा तकनीकी संस्थानों में जिलाधिकारी द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित करायी जाएगी, जिसमें पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले विद्यालयों को आमंत्रित कर 26 जनवरी, 2027 को सम्मानित किया जाएगा। द्वितीय चरण में तिरंगा महोत्सव के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत वृहद तिरंगा मेला और भव्य तिरंगा म्यूजिकल कान्सर्ट आयोजित की जाएगी। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय तिरंगा महोत्सव का आयोजन किसी प्रमुखस्थल पर व्यापक जनभागीदारी के साथ किए जाने के निर्देश दिए गए है। इस कार्यक्रम में स्थानीय मा0 विधायकगण, सांसदगण और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों एवं खिलाड़ियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी। तिरंगा मेला के आयोजन में प्रदेश सरकार के ग्राम्य विकास विभाग के स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पाद तथा एमएसएमई विभाग के सहयोग से निर्मित उत्पादों को, स्थानीय उत्पादों (ओडीओपी), तिरंगा रंग की थीम वाली खाद्य सामग्री, परिधान, वस्त्र, श्रृगांर आदि की बिक्री एवं प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्य कार्यक्रमों के दौरान तिरंगा मेले में तिरंगा प्रदर्शनी का आयोजन

मुख्य कार्यक्रमों के दौरान तिरंगा मेले में तिरंगा प्रदर्शनी का आयोजन, वीआईपी कार्यक्रम के दिन व्यापक जनसहभागीदारी के साथ प्रसिद्ध और स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्ति पूर्ण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य तिरंगा संगीत, कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों, पीडीएस, दुकानों (सार्वजनिक बिक्री की दुकानों), खादी भंडारों और स्थानीय बाजारों के वस्त्रालयों आदि के माध्यम से तिरंगा की बिक्री और वितरण का प्रबंधन किया जाएगा।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की गई

स्वयं सहायता समूहों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण किया जा रहा

- हर घर तिरंगा अभियान में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं निभा रही हैं महत्वपूर्ण भूमिका

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण किया जा रहा है । उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित लक्ष्य व निर्धारित मानकों के अनुरूप समय से राष्ट्रीय ध्वज का निर्माण कर समय से आपूर्ति सुनिश्चित की जाय।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक श्री अरुण कुमार ने मंगलवार को जनपद लखनऊ के विकास खण्ड चिनहट अंतर्गत ग्राम पंचायत जुग्गौर एवं सिकन्दरपुर का भ्रमण कर ₹हर घर तिरंगा₹ अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की तथा उन्हें विभिन्न आजीविका गतिविधियों एवं उद्यमों से जुड़कर आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान मिशन निदेशक ने तुलसी माँ स्वयं सहायता समूह, छोटे साहब स्वयं सहायता समूह एवं बजरंगबली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात की। इन समूहों को 1.50 लाख राष्ट्रीय ध्वजों के निर्माण एवं वितरण का लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 1.30 लाख राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण एवं वितरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रभक्ति का प्रतीक नहीं

अरुण कुमार ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रभक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का भी एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने परिश्रम, अनुशासन और सामूहिक प्रयास से राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को 13 अगस्त तक 2 करोड़ राष्ट्रीय ध्वजों के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। 10 अगस्त तक प्रदेश की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगभग 1 करोड़ 90 लाख राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण किया जा चुका है, जो मिशन से जुड़ी महिलाओं की कार्यक्षमता, समर्पण एवं राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

'भवन स्वामी अधिकतम 08 कमरे ही किराए पर दे सकेंगे'

उ0प्र0 ब्रेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होम स्टे नीति-2025 की एसओपी में संशोधन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ब्रेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होम स्टे नीति-2025 में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अंतर्गत भवन स्वामियों को सरलतापूर्वक जुड़ने एवं लाभ पहुंचाने की दृष्टि से कतिपय आवश्यक संशोधन किए गए है। यह नीति उ0प्र0 के संपूर्ण ग्रामीण परिक्षेत्र पर लागू होगी।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि संशोधन के मुताबिक देशी विदेशी पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश में आवास, भोजन सुविधा एवं ग्रामीण जीवन का अनुभव कराने के लिए इकाई स्वामी द्वारा इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराया जाएगा। संपत्तिधारक द्वारा उसके आवासीय भवन के कम से कम 01 तथा अधिकतम 08 कमरे (अधिकतम 16 शैय्या) को ही किराए पर दिया जा सकेगा। रूरल होम-स्टे में स्नानागार, शौचालय, जल, विद्युत आपूर्ति, सामान्य फर्नीचर आदि की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। शहरी क्षेत्र (नगर निगम की परिधि) के बाहर आने वाली इकाईयों द्वारा इस वर्ग के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि आवेदक का चरित्र प्रमाण-पत्र पुलिस विभाग द्वारा जारी स्व-प्रमाणन पत्र प्रारूप थर्ड के अनुसार होगा। इसी प्रकार आवेदक का भी स्व-प्रमाणन पत्र प्रारूप थर्ड के अनुसार होगा तथा अभ्यर्थी के लिए पुलिस विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर स्व-प्रमाणन पत्र के प्रारूप पर होगा। संशोधन से पूर्व संपत्तिधारक द्वारा उसके आवासीय भवन के कम से कम 01 तथा अधिकतम 06 कक्ष (अधिकतम 12 शैय्या) को ही किराए पर दिया जाने की व्यवस्था थी। संशोधन के उपरांत भवन स्वामी 01 तथा अधिकतम 08 कक्ष (अधिकतम 16 शैय्या) किराए पर दिया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि उ0प्र0 ब्रेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) की एसओपी में संशोधन के फलस्वरूप अधिक से अधिक भवन स्वामियों को लाभ मिलेगा। साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

कटाक्ष : राम मंदिर चढ़ावा चोरी और शिक्षा-परीक्षा के मुद्दे पर चर्चा से बच रही सरकार: सपा प्रमुख

'भाजपा के लिए धन ही धर्म, अयोध्या में चढ़ावा चोरी पर सरकार जवाब दे'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लिए धन ही धर्म बन गया है। उन्होंने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर सरकार से जवाब मांगा और आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा से बच रही है।

मंगलवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा-परीक्षा में कथित अनियमितताओं और श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। विपक्ष दोनों मामलों पर संसद में चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार चर्चा से बच रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहता है कि इन मुद्दों पर सरकार अपना पक्ष स्पष्ट करे और दिल्ली में छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता का भी जवाब दिया जाए। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर विभिन्न वर्गों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरक्षण के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और नौजवानों के सामने रोजगार का संकट बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। सरकार को युवाओं, किसानों और आरक्षण से जुड़े सवालों पर जवाब देना चाहिए।

> अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष जनता और छात्रों से जुड़े इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा चाहता है। उन्होंने सरकार से शिक्षा-परीक्षा, छात्रों के साथ हुई कार्रवाई और अयोध्या में चढ़ावे की रकम से जुड़े आरोपों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

'भाजपा अब प्रभु राम का नाम भी नहीं लेना चाहती'

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े कुछ लोगों के तार शिक्षा-परीक्षा और राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामलों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों मामलों के पीछे एक ही तरह का नेटवर्क काम कर रहा है और विपक्ष इसी पर चर्चा चाहता है। सपा अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा अब प्रभु श्रीराम का नाम लेने से भी बच रही है।

अयोध्या में चढ़ावे की रकम को लेकर सरकार पर निशाना

अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे की रकम को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चढ़ावे की रकम बोरे भरकर बाहर ले जाई गई और अलग-अलग स्थानों से पैसे निकाले जाने की बातें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में बड़े लोगों की संलिप्तता की जांच होनी चाहिए और सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में एक बार फिर रामपुर ने मारी बाजी

जनशिकायतों के निस्तारण में मारी बाजी

तमसा संकेत, संवाददाता

- जुलाई की रैंकिंग में शाहजहांपुर दूसरे व बरेली तीसरे स्थान पर
- जन समस्याओं के प्रति सीएम योगी की गंभीरता का दिख रहा असर प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का किया जा रहा निस्तारण

लखनऊ । योगी सरकार द्वारा पिछले साढ़े नौ वर्षों से प्रदेश में सुशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर धरातल पर साफ देखा जा सकता है। सीएम डैशबोर्ड की जुलाई माह की रैंकिंग में एक बार फिर रामपुर ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं शाहजहांपुर ने दूसरा और बरेली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। रामपुर, शाहजहांपुर और बरेली के जिलाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने यह उपलब्धि जनशिकायतों के प्रभावी निस्तारण, बेहतर फीडबैक और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधारात्मक पहल से हासिल किया है। रामपुर डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जिलों का मूल्यांकन कई मानकों के आधार पर किया जाता है। इसमें जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई, फीडबैक की गुणवत्ता और योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे पहलू शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि जुलाई माह में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले की 59 योजनाओं की मॉनीटरिंग की गई। इसमें से 56 कार्यक्रमों में जिले ने ए ग्रेड प्राप्त किया।

हज-2027 के चयनित हज यात्रियों को अग्रिम धनराशि जमा करने की तिथि बढ़ी

लखनऊ । हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई द्वारा सकुर्लर-6 के माध्यम से अवगत कराया गया है कि हज-2027 के प्रत्येक प्रोवीज़नली चयनित हज यात्री को अग्रिम धनराशि रु 1,52,300/-जमा करने की तिथि 10 अगस्त, 2026 से बढ़ाकर 17 अगस्त, 2026 कर दी गयी है। प्रत्येक प्रोवीज़नली चयनित हज यात्रियों को अग्रिम धनराशि हज कमेटी आफ इण्डिया मुम्बई के खाते में निर्धारित समयन्तर्गत जमा करना होगा, जिससे सम्बन्धित निम्न निर्देष दिये गये हैः- चयनित हज यात्री निर्धारित धनराशि ऑनलाइन वेबसाइट https://.hajcommittee.gov.in पर व हज सुविधा एप पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग के माध्यम से भी जमा कर सकते हैं। धनराशि स्टेट बैंक आफ इण्डिया व यूनियन बैंक आफ इण्डिया में भी पे-इन-स्लिप द्वारा हज कमेटी आफ इण्डिया के खाते में जमा की जा सकती है।

आजमगढ़ की सुहेलदेव यूनिवर्सिटी में टॉपर्स को सम्मानित किया

बेटियां आगे बढ़ीं, बेटे क्या कर रहे : राज्यपाल

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़ । आजमगढ़ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बेटियों की तारीफ की और बेटों से सवाल किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेटियां आगे बढ़ रही हैं, बेटे क्या कर रहे हैं? राज्यपाल मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होने आई थीं। इस दौरान उन्होंने स्टूडेंट्स को सफलता के मंत्र भी दिए। कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन व्यक्ति को शिखर तक पहुंचा सकता है।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर राज्यपाल का भव्य स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने

उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद राज्यपाल दीक्षांत समारोह के मंच पर पहुंचीं और कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। समारोह के मुख्य अतिथि पद्म विभूषण बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने भी अपने जीवन के अनुभव स्टूडेंट्स के साथ साझा किए।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र सौंपे और मेडल पहनाकर सम्मानित किया। समारोह में 74 टॉपर्स को 88 मेडल दिए गए। इनमें 20 कुलाधिपति और 68 कुलपति पदक शामिल हैं। मेडल पाने वालों में 26 छात्र और 48 छात्राएं हैं। इसके अलावा 11 स्नातक और 63 परास्नातक विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गईं। राज्यपाल ने कहा

'मोदी ने कहा था- बसें जलाओगे तो खर्चा वसूलेंगे'

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नागरिकों की जिम्मेदारी समझाने के लिए गुजरात दंगे का संस्मरण भी सुनाया। कहा कि वहां लोगों ने बसें जलाईं, सरकारी आवास तोड़े। आंदोलन होना चाहिए, लेकिन देश की सम्पत्ति का नुकसान नहीं होना चाहिए। इसलिए उस समय सीएम नरेंद्र भाई मोदी ने कहा कि भवन जलाओगे, बसें जलाओगे तो जितना खर्चा होगा सब वसूलेंगे।

कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और उत्कृष्ठता का संकल्प सार्थक और समृद्ध शिखर तक पहुंचा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि हर कोई किसी ने किसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शिक्षाविदों से जुड़ा है। लेकिन उन्होंने क्या किया, इस बारे में कुछ नहीं जानते। मैंने हर यूनिवर्सिटी से कहा है कि लाइब्रेरी में ऐसे लोगों की 8-10 पुस्तकें रखें और स्टूडेंट्स को इन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। ऐसे लोगों के बारे में जानने से प्रेरणा मिलती है।

राज्यपाल ने कहा कि यूनिवर्सिटी की 63,084 उपाधियों में से 42,724 उपाधियां बेटियों के नाम हैं। जबकि छात्र सिर्फ 20,360 हैं। ये प्रसन्नता की बात है कि बेटियां उच्च शिक्षा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह के मंच से राज्यपाल ने स्टूडेंट्स को जीवन की सफलता के मंत्र दिए। कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन से समृद्धि का शिखर मिलेगा।

यमुना पार में दूसरे दिन भी नहीं आया पानी

लोगों को नहाने के लिए खरीदना पड़ा पानी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के यमुनापार क्षेत्र में दूसरे दिन भी पानी की सप्लाई नहीं हुई। मेन पाइप लाइन टूटने के कारण लोग दो दिन से पानी के लिए परेशान हैं। जल निगम की टीम पाइप लाइन को सही करने में जुटी है। बुधवार को पानी सप्लाई सुचारू होने की बात कही जा रही है। आगरा में मेट्रो के काम के दौरान यमुनापार के ट्रांसयमुना क्षेत्र में पानी की सप्लाई करने वाली मुख्य पाइप लाइन टूट गई है। इसके चलते मंगलवार सुबह दर्जनों कॉलोनी में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। लगभग 4 लाख की आबादी को पानी की समस्या से जूझना पड़ा। सोमवार को भी पानी न आने के कारण जिन लोगों के यहां पानी स्टोर था,वो भी खत्म हो गया। ऐसे में लोगों को नहाने और अन्य घरेलू काम के लिए पानी खरीदना

पड़ा। शाहदरा, नुनिहाई, ट्रांसयमुना फेस-2, नरायच, नगला रामबल, सती नगर, श्याम नगर, कैला देवी मंदिर, कृष्णा कॉलोनी, श्याम विहारी कॉलोनी, सौदान सिंह डिग्री कॉलेज, बसेरा कॉलोनी, महावीर नगर, बालाजी नगर, कालिंदीविहार, एडीए कॉलोनी, कांशीराम आवास, नगला विहारी, बघेल बस्ती, आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति नहीं हुई है। मेट्रो के दूसरे कॉरीडोर निर्माण का काम चल रहा है। रामबाग के पास चल रहे इस काम के दौरान रविवार को जलकल विभाग की 750 एमएम की पानी की मुख्य पाइप लाइन टूट गई।

फास्ट न्यूज

कानपुर में महिला पहलवान ने पुरुष पहलवान को पटका

कानपुर । कानपुर के जागेश्वर धाम में सावन के दूसरे सोमवार पर आयोजित 309वें दंगल में पहलवानों ने दमखम दिखाया। दंगल में कुल 55 मुकाबले हुए, जिनमें 6 महिला कुश्तियां भी शामिल रहीं। सबसे ज्यादा रोमांचक मुकाबला दिल्ली की महिला पहलवान पूनम और बांदा के जय सिंह के बीच हुआ। पूनम ने जय सिंह को आखिरी 13 सेकेंड में लगातार तीन पटखनी देकर जीत दर्ज की।

एसएन में पर्चे के लिए मारामारी, किया घंटों इंतजार

आगरा। एसएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में मंगलवार को पर्चा बनवाने के लिए मरीजों को लंबी कतार में लगकर घंटों इंतजार करना पड़ा। पंजीकरण हॉल में भीड़ इतनी रही कि मरीजों के बैठने तक की जगह नहीं बची। कई मरीज तीन घंटे तक लाइन में खड़े रहने के बाद पर्चा बनवा सके।

इसके बाद उन्हें डॉक्टर को दिखाने के लिए फिर इंतजार करना पड़ा। थकान से कई मरीज जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। मरीजों का कहना था कि लंबी लाइन में खड़े रहने से अब हिम्मत जवाब दे रही है।

पति की मारपीट से परेशान विवाहिता ने किया सुसाइड

कानपुर । बिधनू में पति की आए दिन की मारपीट से परेशान होकर विवाहिता ने पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या से पहले विवाहिता ने तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा, जिसमें लिखा था– सब लोगों ने मिलकर हमे बहुत परेशान कर लिया था... रोज मारते थे, फोन करके गाली देते थे। हमारा सारा जेवरात व पैसा उठाकर ले गए और हमें और बच्चों को मरने के लिए छोड़ दिया।

उद्योगपति दीपक कोठारी के फॉर्म हाउस में हुए मर्डर का खुलासा

चोरी के इरादे से फॉर्म हाउस में घुसा था कर्मचारी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में उद्योगपति दीपक कोठारी के फॉर्म हाउस में चौकीदार की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक कर्मचारी चोरी के इरादे से घुसा था। उसे चौकीदार ने देख लिया। अपनी पहचान छिपाने के लिए कर्मचारी ने चौकीदार का मर्डर कर दिया था। 7 जुलाई को हुई इस वारदात का बिठूर पुलिस जांच कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य की जांच में कर्मचारी फॉर्म हाउस से निकलते और आसपास कैद हुआ था। पुलिस ने संदेह के आधार पर उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने मर्डर का खुलासा कर दिया। कर्मचारी ने बताया कि देर रात बाउंड्री फांदकर चोरी के इरादे से फॉर्म हाउस में घुसे था। चौकीदार ने उसे पहचान लिया तो ईंट से सिर कूचकर मर्डर किया

और भाग निकला था। पुलिस ने मर्डर का खुलासा करने के बाद हत्यारोपी विजय सिंह चौहान को जेल भेज दिया। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने मंगलवार दोपहर को बिठूर के फॉर्म हाउस में हुए चौकीदार फूलचंद्र के मर्डर का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उद्योगपति दीपक कोठारी का बिठूर में केशव वाटिका नाम से फॉर्म हाउस है। फॉर्म हाउस में 8 अगस्त की सुबह कर्मचारी पहुंचे तो सिक्योरिटी गार्ड अयोध्या के ग्राम कालीचरण धौरहरा मजरे ठिकरा, थाना खण्डासा निवासी सिक्योरिटी गार्ड फूलचंद्र (58) का शव मिला था।

छात्रों के आंदोलन को कांग्रेस-सपा ने हाईजैक किया, अब रांची में बीजेपी वही कर रही

आरक्षण खत्म करने की साजिश कर रहा आरएसएस : मायावती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को आरक्षण और छात्र-युवा आंदोलनों को लेकर भाजपा, कांग्रेस और सपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी नौकरियों में दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्गों का आरक्षण अब लगभग निष्प्रभावी होता जा रहा है और RSS के लोग इसे और निष्प्रभावी बनाने में लगे हैं।

मायावती ने कहा कि पब्लिक सेक्टर को कमजोर कर लगातार प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे गरीब और बेरोजगार वर्ग पिछड़ रहा है, जबकि बड़े पूंजीपति और धन्नासेठ मजबूत होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बसपा निजी क्षेत्र के खिलाफ नहीं

है, लेकिन सरकारी नौकरियों की तरह निजी क्षेत्र में भी आरक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। मायावती ने दावा किया कि बसपा सरकार ने सरकारी सहयोग से स्थापित उद्योगों में भी आरक्षण देने की व्यवस्था लागू की थी। मायावती ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर का आंदोलन की तरह ही झारखंड की राजधानी रांची में भी छात्र और नौजवान अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रांची के आंदोलन पर कांग्रेस और उसके समर्थक दल खुलकर नहीं बोल रहे हैं, जबकि अब भाजपा और उसके समर्थक दल छात्रों की आवाज उठाने के लिए आगे आ रहे हैं।उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि भाजपा और उसके समर्थक दलों ने भी इस आंदोलन को हाईजैक कर लिया है।

मायावती के मुताबिक, दिल्ली और रांची दोनों जगह छात्र-युवा आंदोलनों के पीछे उनकी समस्याओं के समाधान से ज्यादा राजनीति दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों में समस्याओं को हल कराने की गंभीरता नहीं है, बल्कि चुनावी स्वार्थ की संकीर्ण राजनीति हावी है।

दलित-आदिवासियों को फिर गुलाम बनाने की साजिश

बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सत्ता और विपक्ष की अंदरूनी मिलीभगत से दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को फिर से 'गुलाम और लाचार' बनाने की साजिश चल रही है। उन्होंने इन वर्गों से सतर्क और सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपने हितों की रक्षा के लिए बसपा से जुड़ना चाहिए और पार्टी को सत्ता में लाना चाहिए। मायावती ने कहा कि बसपा की सरकारों में सर्वसमाज के किसी वर्ग के साथ भेदभाव और पक्षपात नहीं किया गया। सभी वर्गों का राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर ध्यान रखा गया।

सीजेपी के आंदोलन को कांग्रेस-सपा ने हाईजैक किया

मायावती ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर हुए CJP के आंदोलन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि छात्रों, नौजवानों और Gen-Z की समस्याओं से जुड़ा यह आंदोलन गंभीर मुद्दों को उठाता है और बसपा हमेशा छात्र-युवाओं के साथ खड़ी रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि CJP के आंदोलन को कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने हाईजैक कर लिया। अब उसकी आड़ में संसद भी नहीं चल पा रही है।

मायावती ने कहा कि छात्र और युवा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन जरूर करें, लेकिन उन्हें राजनीतिक दलों के हाथों का मोहरा नहीं बनना चाहिए।

स्कूल से लौटते वक्त स्कूटी को टक्कर मारकर गिराया, डंडों से पीटा, सिर पर पत्थर मारे

टीचर की 6 साल की बेटी के सामने पीट-पीटकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर । यूपी के ललितपुर में इंटर कॉलेज के टीचर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। टीचर स्कूल से 6 साल की बेटी के साथ लौट रहे थे। आरोपियों ने पिकअप से उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टीचर और उनकी बेटी सड़क पर गिर पड़े। टीचर बेटी को उठाने के लिए आगे बढ़े, तभी आरोपियों ने डंडे से ताबड़तोड़ वार किए और सिर पर पत्थर पटक दिया। टीचर को मरा समझकर आरोपी भाग गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान टीचर की मौत हो गई। घटना सोमवार दोपहर 3 बजे कचनौंदा थाना क्षेत्र की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि

टीचर के जीजा के घरवालों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, टीचर के जीजा ने ससुराल में कुएं में कूदकर सुसाइड कर लिया था। इसके बाद से ही उनके घरवाले टीचर से रंजिश रखते थे। अभय लोधी (30) प्राइवेट इंटर कॉलेज में टीचर थे। अभय की शादी सात साल पहले रजनी (27) नाम की लड़की से हुई थी। दोनों की 6 साल की बेटी भाग्यश्री है।

आरोपियों ने इसी पिकअप से टीचर की स्कूटी में टक्कर मारी थी।

पत्नी बोली- आरोपियों ने बेटी को भी पीटा

अभय लोधी झरकौन गांव के रहने वाले थे। उनकी पत्नी रजनी ने बताया कि सोमवार को अभय स्कूल में पढ़ाने के बाद 3 बजे बेटी भाग्यश्री के साथ स्कूटी से घर आ रहे थे। इसी बीच रास्ते में गढ़ाघाट पेट्रोल पंप के पास एक पिकअप ने उनकी स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अभय की स्कूटी बेकाबू होकर गिर गई। पिता-बेटी दोनों सड़क पर गिर गए। इसके बाद आरोपियों ने पति की बेरहमी से पिटाई की। बेटी भाग्यश्री ने जब चीखना-चिल्लाना शुरू किया तो आरोपियों ने उसे भी मारा। आसपास के लोगों ने देखा तो मौके पर पहुंचे। इतने में आरोपी वहां से भाग गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभय और बेटी को जिला अस्पताल भिजवाया। अभय की हालत गंभीर होते देख डॉक्टर ने उन्हें झांसी रेफर कर दिया। सोमवार-मंगलवार की रात एक बजे अभय की इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटी का ललितपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी है।

अफसर ने सरकारी अस्पताल से बच्चा चोरी कराया

कानपुर में एएनएम से 5 लाख रुपए में डील हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के सरकारी अस्पताल से बच्चा चोरी कराने की कोशिश के मामले में पुलिस ने बिजली विभाग के सब डिवीजन ऑफिसर (SDO) को गिरफ्तार किया है। आरोपी एसडीओ की तैनाती हमीरपुर के मौदहा में है।

घटना 10 मई, 2026 की है। एक एएनएम बच्चे को चोरी करके अस्पताल से भाग रही थी। तभी बच्चे की मां ने शोर मचा दिया। लोगों ने एएनएम को पकड़ लिया। अगले दिन उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। एएनएम से पूछताछ में हमीरपुर के मौदहा में तैनात एसडीओ आरके वर्मा का नाम सामने आया। आरके वर्मा कानपुर के घाटमपुर का रहने वाला है। उसकी दो बेटियां हैं। वह बेटे की चाहत में बच्चा चोरी करवाना चाहता था।

उसने एएनएम को बच्चा चोरी

करने के लिए 5 लाख रुपए देने का लालच दिया था। पुलिस ने आरके वर्मा को 9 अगस्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के बम्हौरी गांव के रहने वाले अवनीश किसान हैं। उनकी पत्नी मंजू (22) को डिलीवरी के लिए 10 मई को घाटमपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। उसी शाम को मंजू ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद मां और बच्चे को जच्चा-बच्चा वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। रात करीब 10 बजे एक महिला वार्ड में पहुंची। वह काफी देर से वहां घूम रही थी। उसने खुद को स्टाफ नर्स बताया। फिर जांच के बहाने बच्चे को गोद में उठा लिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

प्रदेश में माफिया तंत्र...

बाढ़ की समस्या का समाधान हुआ है। बीमारी की समस्या का समाधान किया गया है। क्वालिटी एजुकेशन के लिए सरकार ने काम करने के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट की दिशा में काम किया है। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकसित भारत के उद्देश्य को ध्यान में रखकर काम कर रही है। विकसित भारत में विकसित उत्तर प्रदेश की भूमिका भी बड़ी होने वाली है। सीएम ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प तब पूरा होगा, जब विकसित उत्तर प्रदेश होगा। इसके लिए सरकार पूर्वी उत्तर प्रदेश विकास के दिशा में काम कर रही है।

रांची- लाठीचार्ज के ..

वहीं, छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से अस्पताल से खुला पत्र जारी किया है। उन्होंने विधान सभा घेराव कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी सहयोगियों का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही शांतिपूर्ण आंदोलन पर लाठीचार्ज करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार शाम छात्रों ने लाठीचार्ज के विरोध में मौन जुलूस निकाला।

छात्रों ने सोमवार को झारखंड में JPSC-JSSC भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन किया था। विधानसभा घेराव के दौरान 100 से अधिक छात्र घायल हुए। कई छात्रों के हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की बात कही जा रही है। वहीं, रांची पुलिस के करीब 14 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। सरकार और छात्रों के बीच अब तक तीन दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका है। हालांकि सरकार ने छात्रों की 9 में से 6 मांगें मान ली हैं। छात्रों का कहना है कि अब वे सिर्फ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ही बातचीत करेंगे। वहीं, भाजपा का आरोप है कि झारखंड सरकार छात्रों की मांगों पर बातचीत करने के बजाय प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की।

एमपी-राजस्थान ...

इसके चलते राज्य में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत 259 सड़कें, 161 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 54 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं।

बिजली गिरने से मंगलवार को बिहार के बांका में 3 महिलाओं समेत 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 2 बच्चे समेत 8 झुलस गए। वहीं, नवादा में बिजली गिरने से 3 मजदूरों की मौत हो गई।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 101 हो गई है। असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (ASDMA) के मंगलवार शाम जारी बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। राज्य के 7 जिलों में 1,12,718 लोग अब भी प्रभावित हैं। नदियों का जलस्तर अब भी खतरे के निशान पर बना हुआ है, जिससे 441 गांव अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं।

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से जिले की नदियां और नाले उफान पर हैं। शिवना नदी का लेवल भी बढ़ गया है। मंगलवार को अटल सागर डैम के दो गेट तीन-तीन फीट तक खोल दिए गए हैं।

कोलकाता में ममता ...

उन्होंने ममता 'चोर-चोर' के नारे लगाना शुरू कर दिए।

टीएमसी का आरोप है कि बीजेपी समर्थित लोगों ने जानबूझकर प्रदर्शन करवाया। पार्टी के मुताबिक, इसका मकसद कार्यक्रम को रोकना और ममता बनर्जी का अपमान करना था।

नागेंद्र रॉय ने नेताजी को वॉर क्रिमिनल बताया था। उन्होंने नेताजी के नेतृत्व पर सवाल उठाए और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आजाद हिंद फौज की भूमिका पर भी संदेह जताया था।

पश्चिम बंगाल बीजेपी के नेताओं ने इन बयानों से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने साफ किया कि रॉय की टिप्पणी पूरी तरह निजी थी। पार्टी न तो इसका समर्थन करती है, न ही इसे मानती है।

TMC ने इन टिप्पणियों को बंगाल की राष्ट्रवादी विरासत और नेताजी की राजनीतिक पहचान पर हमला बताया।

9 अगस्त को भी ममता ने खुद पर हमले का दावा किया था। ममता नॉर्थ 24 परगना जिले के हलीसहर में TMC कार्यकर्ता के परिवार से मिलने गई थीं। आरोप है कि इस कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी।

गांजा पीकर उड़ा ...

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और सुरक्षा एजेंसियां इस रिपोर्ट को बेहद गंभीरता से ले रही हैं, क्योंकि उड़ान के दौरान 13 यात्री और 4 क्रू सदस्य घायल हुए थे। अब इस डोप रिपोर्ट को भी आधिकारिक जांच रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जा रहा है, जिससे पायलट पर सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की तलवार लटक गई है। इस पूरे मामले में एक और गंभीर पहलू पर तेजी से चर्चा हो रही है। उड्डयन गलियारों और जांच एजेंसियों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि जब विमान अचानक 300 फीट नीचे गिरा, तब क्या पायलट-इन-कमांड ककपिट में अपनी सीट पर मौजूद थे या नहीं?

सूत्रों के मुताबिक, जांच टीम ब्लैक बॉक्स के 'कॉकपिट वायस रिकार्डर' (सीवीआर) और 'फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर' (एफडीआर) के जरिए यह सटीक समय पता लगाने में जुटी है कि घटना के वक्त मुख्य पायलट अपनी सीट पर थे, कॉकपिट से बाहर थे या फिर विमान पूरी तरह से फर्स्ट आफिसर (सह-पायलट) के नियंत्रण में था।

अखिलेश और प्रियंका ...

लिखे पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे।

इधर, एनडीए (NDA) सांसदों ने भी विपक्ष के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। भाजपा सांसद हाथों में पोस्टर लेकर पहुंचे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिल्ली में 'जेन-जी' प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा से भागने का आरोप लगाया। साथ ही, झारखंड में सोमवार को छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाए।

भाजपा सांसद अरुण गोविल ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा-अब जब हम जवाब देने के लिए आ गए हैं, तो ये लोग चर्चा नहीं चाहते हैं। विपक्ष इतना गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहा है, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इस बार का विपक्ष बेहद गैर-जिम्मेदार है; ये किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं चाहते, इन्हें सिर्फ हंगामा करना आता है।

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा- हम छात्र आंदोलन और राम मंदिर चढ़ावा चोरी, दोनों मुद्दों पर बयान चाहते हैं, लेकिन गृह मंत्री सदन में आकर बयान देने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि RTI से मिली जानकारी से पता चलता है कि कम से कम 10 बच्चे पैलेट गन से घायल हुए हैं। यह सरकार के पहले के उन दावों के बिल्कुल उलट है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं किया गया था, जिससे साबित होता है कि वे झूठ बोल रहे थे। इसके अलावा, सरकार ने वादा किया था कि बच्चों के खिलाफ कोई FIR दर्ज नहीं की जाएगी। फिर भी, अब एक 15 साल की लड़की के खिलाफ 'जीरो FIR' दर्ज की जा रही है, जिसमें उसकी उम्र गलत तरीके से 25 साल बताई गई है। चंदा चोरी का बड़ा मुद्दा है, इस पर सरकार को जवाब देना चाहिए।

दिल्ली में साइबर ठगी...

पीड़ित ने शुरुआत में अलग-अलग बैंक खातों में 4.82 लाख रुपए जमा किए। भरोसा बढ़ाने के लिए उसे थोड़ी रकम निकालने की अनुमति दी गई। इसके बाद आरोपियों ने आईपीओ अलॉटमेंट के नाम पर उससे 7.81 लाख रुपए और जमा करने को कहा।

ठगी का शक होने पर पीड़ित ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत की। इसके बाद दक्षिण-पश्चिम जिले के साइबर पुलिस थाने में FIR दर्ज की गई। जांच टीम ने रकम के लेनदेन और डिजिटल सबूतों की पड़ताल की। इनकी कड़ियां कई राज्यों से जुड़ी मिलीं और जांच पहले महाराष्ट्र पहुंची। इसके बाद शोएब दिलावर सैयद को नंदुरबार से गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल की जांच में आपत्तिजनक चैट और डिजिटल सबूत मिले।

राजस्थान रॉयल्स कैंप में दलीप ट्रॉफी की ट्रेनिंग की, 23 अगस्त को खेलेंगे मैच

वैभव सूर्यवंशी बॉल छोड़ने और डिफेंस की प्रैक्टिस कर रहे

तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है। वे राजस्थान रॉयल्स के कैंप में रेड-बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने ट्रेनिंग का वीडियो शेयर किया। इसमें वे बॉल छोड़ने और डिफेंस की प्रैक्टिस करते नजर आए। साथ ही अटैकिंग शॉट्स पर भी काम किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने सिर्फ प्रिपरेशन लिखा।

15 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले वैभव 23 अगस्त से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलेंगे। उन्हें टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे।

ईस्ट जोन की पूरी टीम

ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, सुब्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनिश दास।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद वैभव ने अपना फोकस रेड-बॉल क्रिकेट पर कर लिया है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग कर रहे हैं। रॉयल्स ने खिलाड़ियों के लिए 10 दिन का ट्रेनिंग कैंप लगाया है। इस कैंप में वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा भी शामिल हैं। इनमें वैभव और तुषार दलीप ट्रॉफी में खेलेंगे। तुषार वेस्ट जोन की टीम का हिस्सा होंगे। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में 15 साल 99 दिन की उम्र में डेब्यू किया। इसके साथ ही वे भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन गए।

भारत के लिए 6 टी-20 में 193 रन

वैभव अब तक भारत के लिए 6 टी-20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 193 रन बनाए हैं। उनका औसत 32.16 और स्ट्राइक रेट 189.21 है। उनके नाम 2 अर्धशतक हैं। इंग्लैंड दौरा के वैभव के लिए मुश्किल रहा था। उन्होंने वहां 3 पारियां खेलीं, लेकिन एक बार भी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके। भारत ने यह सीरीज 4-1 से गंवाई थी।

वैभव IPL में जीतइ सभी ट्रॉफी के साथ।

जिम्बाब्वे में 151 रन बनाए, प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे

वैभव का हालिया जिम्बाब्वे दौरा शानदार रहा। उन्होंने टी-20 सीरीज की 3 पारियों में 151 रन बनाए। उनका औसत 50.33 और स्ट्राइक रेट 196.10 रहा। उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए। सबसे बड़ी पारी 81 रन की रही। इस प्रदर्शन के लिए वैभव को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह अवॉर्ड जीतकर रिकॉर्ड बनाया। वे सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने वाले खिलाड़ी बने।

'बाबर आजम को इंग्लिश मीडिया से रखना दूर'

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान को सता रही है किंग की चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

बाबर आजम पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान के तौर पर लौट आए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर टीम की कप्तानी की थी। अब उनके सामने इंग्लैंड की चुनौती होगी। टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान इंग्लैंड का दौरा करेगी, लेकिन इस दौरे को लेकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ को एक डर सता रहा है। पाकिस्तान को इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मैच लीड्स के हेडिंग्ले में 19 अगस्त से शुरू होगा। दूसरे मैच की मेजबानी लंदन का लॉर्ड्स स्टेडियम करेगा। ये मैच 27 अगस्त से शुरू होगा। नौ सितंबर से तीसरा और आखिरी मैच एजबेस्टन में खेला जाएगा।

इंग्लैंड दौरे से पहले लतीफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम मैनेजमेंट से अपील करते हुए कहा है कि बाबर को इंग्लैंड की मीडिया से दूर रखा जाए। लतीफ ने जियो न्यूज से बात करते हुए कहा, ₹इंग्लैंड का दौरा मुश्किल होता है। इंग्लिश मीडिया कोशिश करती है कि वह आपको अपनी फालतू स्टोरीज में बेवजह घसीटे।

उन्होंने कहा, बाबर आजम एक अनुभवी खिलाड़ी है। इसलिए पीसीबी के लिए ये बेहतर होगा कि वह उन्हें इंग्लिश मीडिया से दूर रखे और पूर्व कप्तान शान मसूद को मीडिया से ज्यादा बात करने के लिए भेजे। मसूद के पास इंग्लैंड में खेलने और इंग्लिश मीडिया से डील करने का अनुभव है।

बल्ले से पीटा, करियर बर्बाद करने की धमकी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

पुडुचेरी अंडर-19 क्रिकेट टीम के कोच एस वेंकटरमन के खिलाफ खिलाड़ियों को मारने और करियर बर्बाद करने की धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई है। ये एफआईआर ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद हुई है।

आठ महीने पहले वेंकटरमन पर कथित तौर पर तीन क्रिकेटरों ने हमला कर दिया था। राज्य की अंडर-19 टीम के कोच ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। उसी दिन खिलाड़ियों ने वेंकटरमन के खिलाफ भी पुलिस में शिकायत की थी जिस पर आठ महीने बाद मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद एफआ-ईआर दर्ज हुई है।

आठ दिसंबर 2025 को वेंकटर-मन ने सेदारापेट पुलिस में शिकायत की थी कि जयासुंदरम कार्तिकेयन, ए अरविंददराज और एस संतोष कुमारान ने उन पर हमला किया। क्रिकेट पुडुचेरी के संयुक्त सचिव रह चुके कोच वेंकटरमन ने बताया था कि इन तीनों ने ये कहते हुए उन पर हमला किया था कि वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके सेलेक्ट न होने की वजह हैं। हमले के बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके कंधे में भी फ्रैक्चर आया था। इन तीनों खिलाड़ियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई थी। वहीं उसी दिन कार्तिकेयन ने कोच के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया था।

पुडुचेरी क्रिकेट कोच एस. वेंकटरमन पर अब दर्ज हुई एफआईआर

26 साल पुराने किस्से पर हरभजन सिंह ने अब दी सफाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने साल 26 साल पुराने एक किस्से को याद किया है और कहा कि उन्हें बिना गलती से सजा भुगतनी पड़ी थी। मामला एनसीए का था जो अब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन गया है। दरअसल, साल 2000 में जब हरभजन भारतीय क्रिकेट में अपने पैर जमा रहे थे तब एनसीए से उन्हें निकाल दिया गया था। हरभजन ने एनसीए का डाइट चार्ट फाड़ दिया था और नतीजन उन्हें वहां से बाहर कर दिया गया था। हरभजन ने कहा है कि इस मामले में उनकी गलती नहीं थी। उस मामले को लेकर हरभजन ने बताया कि एनसीए में उस समय ट्रेनियों के लिए एक फिक्स डाइट प्लान था और इस संबंध में चार्ट भी लगा था, लेकिन उसके हिसाब से खाना मिलता नहीं था जिसकी उन्होंने शिकायत भी की थी।

बोधन सिवानंदन ने रैपिड प्लेऑफ में खिताब जीता, 17 साल के श्रीयस रॉयल भी जीते

भारतीय मूल की 11 साल की लड़की ब्रिटिश चेस चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला चेस चैंपियन बन गई हैं। उन्होंने आयरलैंड की त्रिशा कन्यामराला को रैपिड चेस प्लेऑफ में हराकर ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता।

बोधन के अलावा भारतीय मूल के ही 17 साल के श्रीयस रॉयल ने भी चैंपियनशिप अपने नाम किया। श्रीयस ने नौ राउंड के बाद पॉइंट टेबल में सबसे ऊपर रहते हुए ओपन ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। 1 अगस्त को शुरु हुआ टूर्नामेंट रविवार को कोवेंट्री में खत्म हुआ।

बोधन ने कोविड महामारी के लॉकडाउन के दौरान पहली बार चेस खेलना शुरू किया था। उस समय उनके पिता के एक दोस्त भारत लौट रहे थे। उन्होंने उसे कुछ बैग दिए थे, जिनमें चेस बोर्ड भी था।

नॉर्थ-वेस्ट लंदन की स्कूली छात्रा ने इसके बाद लगातार रिकॉर्ड बनाए। तेज फॉर्मेट में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। क्लासिकल फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की जीत के साथ 11 साल की बोधन ने तीनों फॉर्मेट में खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। इस चैंपियनशिप में उन्हें एकमात्र हार छठे राउंड में श्रीयस रॉयल से मिली।

श्रीयस ने पहली बार ब्रिटिश खिताब जीता

श्रीयस ने पहला ब्रिटिश खिताब जीता है। उन्हें 15 साल की उम्र में इंग्लैंड का यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर घोषित किया गया था। साउथ-ईस्ट लंदन में रहने वाले श्रीयस टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ में शामिल थे।

श्रीयस का जन्म भारत के बेंगलुरु में हुआ था। तीन साल की उम्र में वह माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ ब्रिटेन चले गए थे।

> **ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप 122 साल पुराना है। यह ब्रिटेन का सबसे बड़ा चेस टूर्नामेंट है। इस साल ओपन चैंपियनशिप के लिए 1,750 से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। विजेताओं को 34 हजार पाउंड की इनामी राशि दी गई।**

मनोरंजन

26 साल पहले आई थी वो फिल्म जिसके 7 गाने हुए थे हिट

कुमार सानू और अल्का याग्निक ने छेड़े थे सुर

नई दिल्ली। 11 अगस्त की तारीख हिंदी सिनेमा जगत के लिए बेहद खास रही है। इस डेट को अतीत में कई ऐसी मूवीज को रिलीज किया गया है, जिन्होंने अपार सफलता हासिल की है। उनमें से एक फिल्म ऐसी भी रही है, जिसके सभी 8 गाने सुपरहिट रहे थे। आज भी उस फिल्म के गानों को श्रोतागण खूब सुनते हैं। कुमार सानू, अल्का याग्निक और उदित नारायण जैसे तमाम सिंगर्स ने उस शानदार फिल्म के लिए गीत गाए। ऐसे में आइए जानते हैं कि यहां कौन सी मूवी के बारे में जिक्र किया जा रहा है। 11 अगस्त साल 2000 में जिस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, उसका निर्देशन धर्मेश दर्शन ने किया था।

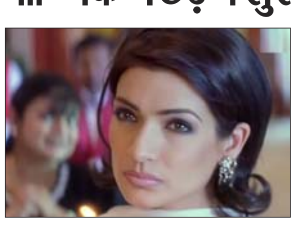

फिल्म में अक्षय कुमार, शिल्पा शेट्टी और सुनील शेट्टी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिकाओं का अदा किया था। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि यहां बात फिल्म धड़कन की जा रही है। जी हां 26 साल पहले आई धड़कन में कुल 7 गाने मौजूद थे और कमाल की बात ये थी कि इसके ये सभी आठ सॉन्ग्स फिल्म से अधिक लोकप्रिय रहे थे। इन सभी शानदार गीतों को दिग्गज गायकों ने अपनी-अपनी मधुर आवाज में गाया था।

फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह पर साधा निशाना फिल्ममेकर ने याद किया 25 साल पुराना किस्सा

फ़रहान अख्तर ने फिर साधा रणवीर सिंह पर निशाना?

नई दिल्ली। फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने 'दिल चाहता है' के बनने के बारे में बात करते हुए, रणवीर सिंह के 'डॉन 3' से कथित तौर पर बाहर होने पर इशारों-इशारों में तंज कसा। रणवीर का नाम लिए बिना, 52 साल के फरहान ने उन एक्टर्स का जिक्र किया जो शूटिंग शुरू होने के ठीक पहले प्रोजेक्ट छोड़ देते हैं।

उन्होंने कहा कि 'आजकल यह एक पैटर्न बन गया है', इस टिप्पणी ने तुरंत 'डॉन 3' से जुड़े विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया।

'डॉन 3' (Don 3) में पहले रणवीर सिंह (Ranveer Singh) के काम करने की बात थी, उसकी शूटिंग अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन यह फिल्म महीनों से विवादों में रही है। यह मामला 2025 में तब शुरू हुआ जब खबर आई कि रणवीर ने फिल्म की शूटिंग शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही फिल्म छोड़ दी। इसके बाद एक्टर और फरहान के प्रोडक्शन बैनर, एक्सेल एंटरटेनमेंट के बीच विवाद हो गया और इंडस्ट्री की संस्थाएं भी इस मामले में शामिल हो गईं। यह मामला अभी भी सुलझा नहीं है।

हालांकि उन्होंने रणवीर का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बात का समय उस घटना की ओर इशारा करता है जब प्रोडक्शन शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही एक्टर के 'डॉन 3' से अलग होने की खबर आई थी।

सैफ अली खान छोड़ने वाले थे फरहान की फिल्म

फरहान ने एक इंटरव्यू में 'दिल चाहता है' के 25 साल पूरे होने पर यह बात कही। वह अपनी पहली फिल्म के लिए एक्टर्स की डेट्स तय करने में आई मुश्किलों के बारे में बता रहे थे। उन्होंने याद किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले, दूसरी फिल्म के साथ शेड्यूल की दिक्कत की वजह से सैफ अली खान लगभग यह प्रोजेक्ट छोड़ने ही वाले थे। इसके बाद उन्होंने उस अनिश्चितता का जिक्र किया जिसका सामना आज भी फिल्ममेकर्स को करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'तो, यह मेरे लिए बहुत दुखद था। शायद शूटिंग शुरू होने में दस दिन नहीं, बल्कि एक महीना बाकी था, और आजकल ऐसा अक्सर होता है'।

को-एक्ट्रेस से मिलाने के लिए जूनियर आर्टिस्ट को नकली मुख्यमंत्री बनाया

65 वर्ष के हुए सुनील

नई दिल्ली। 90 का दशक। मुंबई में अंडरवर्ल्ड का खौफ ऐसा था कि बड़े-बड़े कारोबारी और फिल्म स्टार भी धमकी भरे फोन से घबरा जाते थे। इसी दौर में एक बॉलीवुड एक्टर को भी लगातार धमकी वाले फोन आ रहे थे। करीब डेढ़ साल तक धमकियों का सिलसिला चलता रहा, लेकिन एक दिन बात हद से आगे बढ़ गई। फोन करने वाले गैंगस्टर ने धमकी दी कि वह एक्टर के पिता को गोली मार देगा। बेटे ने अब तक धमकी को नजरअंदाज किया था, लेकिन पिता को धमकी मिलते ही उसका सब्र टूट गया। उसने गैंगस्टर को ही उसी की भाषा में जवाब दिया, गालियां दीं और कहा- मेरे पास तुझसे ज्यादा पैसे भी हैं और ज्यादा कनेक्शन भी। इसलिए कभी मत सोचना कि मैं डर जाऊंगा।सुनील शेट्टी की पहली फिल्म 'आरजू' लगभग 90-95 प्रतिशत शूट होने के बाद बंद हो गई। इसके बाद दूसरी फिल्म भी शुरू होकर रुक गई। लगातार दो प्रोजेक्ट ठप होने के बाद आखिरकार उन्हें 'बलवान' से बॉलीवुड में डेब्यू करने का मौका मिला। फिल्म 'बलवान' के समय इतना बड़ा प्रमोशन बजट नहीं था। इसलिए वह खुद अपने रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के साथ मुंबई की सड़कों पर फिल्म के पोस्टर चिपकाते थे। लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में सुनील ने बताया था कि बलवान बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। दर्शकों ने फिल्म पसंद की, लेकिन कुछ फिल्म समीक्षकों ने उनकी एक्टिंग की जमकर आलोचना की। एक मशहूर समीक्षक ने अपने रिव्यू में उन्हें 'वुडन डोरनॉब' तक कह दिया था। इतना ही नहीं, उसने यह भी लिख दिया कि सुनील शेट्टी को फिल्मों में काम करने की बजाय अपने रेस्टोरेंट में वापस जाकर इडली-वड़ा बेचना चाहिए। पिछले साल द ग्रेट इंडियन कपिल शो में सुनील शेट्टी ने बताया था कि एक बार संजय दत्त अपने एक दोस्त के कहने पर चुनाव प्रचार के लिए तैयार हो गए।

15 साल की उम्र में पुलिस को ट्रेनिंग दी

सुनील शेट्टी ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 13-14 साल के थे, तब ब्रूस ली की फिल्मों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मार्शल आर्ट सीखने का फैसला कर लिया। सुनील ने बताया था कि उस दौर में वह क्रिकेट भी खेलते थे, लेकिन खुद को और मजबूत और फुर्तीला बनाने के लिए उन्होंने मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग शुरू की। लगातार मेहनत और समर्पण का नतीजा यह हुआ कि महज 15 साल की उम्र में उनके सेंसेई (टीचर) ने उन्हें दूसरे छात्रों को ट्रेनिंग देने की जिम्मेदारी सौंप दी। इसके बाद भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के जवान भी उनसे ट्रेनिंग लेने आने लगे। इतना ही नहीं, वह महाराष्ट्र पुलिस के जवानों को भी फिटनेस और रनिंग की ट्रेनिंग देते थे।

सुनील ने बताया था कि वह जवानों के साथ 20 से 30 किलोमीटर तक दौड़ लगाते थे और रेत व पानी में कठिन अभ्यास करवाते थे।

तुर्किये में एयरफोर्स वन में बैठने का दिखावा किया, फिर सामान वाली गाड़ी से दूसरे प्लेन में पहुंचे

ईरान के डर से ट्रम्प ने सीक्रेट फ्लाइट ली थी

दावा

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले महीने तुर्किये से ब्रिटेन जाने के लिए सीक्रेट रूप से एक छोटे मिलिट्री विमान का इस्तेमाल किया था। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान से ट्रम्प की हत्या की धमकी मिलने के बाद उनकी यात्रा का पूरा प्लान बदला गया था।

तुर्किये की राजधानी अंकारा से निकलते समय ट्रम्प कैमरों के सामने पुराने एयरफोर्स वन में सवार हुए। इसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पर सामान और खाना पहुंचाने वाली केटरिंग गाड़ी से चुपचाप छोटे मिलिट्री विमान C-32A तक पहुंचाया गया।

पुराने एयरफोर्स वन में बैठे पत्रकारों को लगा कि ट्रम्प भी इसी विमान में सफर कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी असली प्लान की जानकारी नहीं थी।

AI जनरेटेड

पहले बड़े विमान में बैठे, फिर चुपचाप बाहर निकले

ट्रम्प 8 जुलाई को नाटो समिट में शामिल होने के लिए तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंचे थे। वे कतर से मिले नए बोइंग 747-8 विमान से वहां गए थे।

वापसी के समय ट्रम्प ने कहा कि वे पुराने, हल्के नीले रंग के एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। वे कैमरों के सामने इसी विमान में सवार भी हुए। ट्रम्प ने इसकी वजह बताते हुए कहा था कि वे पुराने समय की याद में इस विमान से सफर करेंगे।

ट्रम्प वाला छोटा विमान पहले ब्रिटेन पहुंचा

ट्रम्प को लेकर छोटा C-32A विमान रात करीब 10:20 बजे ब्रिटेन के RAF मिल्डेनहॉल एयरबेस पहुंचा। इसके कुछ मिनट बाद पुराना एयरफोर्स वन भी वहां पहुंच गया। इस विमान में पत्रकार सवार थे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि C-32A से उतरने के बाद ट्रम्प पुराने एयरफोर्स वन तक कैसे पहुंचे।

ट्रम्प के साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों के मुताबिक, वे रात 10:56 बजे पुराने एयरफोर्स वन की सीढ़ियों से नीचे उतरते दिखाई दिए। ट्रम्प ने पत्रकारों की तरफ हाथ हिलाया, लेकिन उनसे बात नहीं की। इसके बाद वे अमेरिकी सैनिकों से मिले और फिर कतर से मिले नए विमान की तरफ चले गए।

उड़ान के दौरान पत्रकारों को अपनी खिड़कियों के शेड नीचे रखने को कहा गया। यानी उन्हें बाहर देखने की इजाजत नहीं थी। ऐसी सावधानी आमतौर पर तब बरती जाती है, जब विमान किसी खतरे वाले इलाके से गुजर रहा हो।

सामान वाली गाड़ी से दूसरे विमान तक पहुंचे

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, ट्रम्प के पुराने एयरफोर्स वन में चढ़ने के कुछ देर बाद एक केटरिंग गाड़ी वहां पहुंची। ऐसी गाड़ियां आमतौर पर विमान में खाना और जरूरी सामान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल होती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी गाड़ी से ट्रम्प को चुपचाप एयरपोर्ट पर खड़े एक छोटे मिलिट्री विमान C-32A तक ले जाया गया। यह बोइंग 757 का मिलिट्री विमान है। वॉशिंगटन पोस्ट को मिले वीडियो में भी केटरिंग गाड़ी को पुराने एयरफोर्स वन के पास से निकलकर छोटे विमान की तरफ जाते देखा जा सकता है। इसके बाद C-32A ट्रम्प को लेकर ब्रिटेन के लिए रवाना हो गया।

अमेरिका में पिकअप ट्रक ने डिवाइडर तोड़कर कार को मारी टक्कर

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के ओहियो में भीषण सड़क हादसे में आंध्र प्रदेश के 26 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई है। दिलीप कुमार बुंगातुला अपनी कार से कहीं जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। आंध्र प्रदेश के कडपा जिले के जेड्डीवारिपल्ली गांव के मूल निवासी बुंगातुला उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अमेरिका गए थे, जहां उन्होंने 2025 में केंट स्टेट यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री पूरी की थी।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना ओहियो के मैसेडोनिया इलाके में इंटरस्टेट 480 पर हुई। बुंगातुला सेडान कार में जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप ट्रक ने सेंटर डिवाइडर पार उनके वाहन से टकरा गया।

जब इमरजेंसी सर्विस घटनास्थल पर पहुंचीं, तब तक बुंगातुला की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। हादसे में तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच अभी जारी है।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की है, उन्होंने कहा है कि भारत में उनके परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

दूतावास ने एक्स पोस्ट में कहा कि हमें 7 अगस्त, 2026 को ओहियो में एक कार दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक, दिलीप कुमार बुंगातुला के असामयिक निधन की खबर से गहरा दुख हुआ है।

फास्ट न्यूज

कोलंबिया में भूकंप के बाद आए 21 आफ्टरशॉक

बोगोटा। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। कोलंबियन एसोसिएशन ऑफ कैपिटल सिटीज के अनुसार, इस आपदा में कम से कम 132 लोगों की मौत हो चुकी है और 570 से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित परेरा शहर हुआ, जहां 60 लोगों की जान चली गई।

सेंसेक्स 388 अंक गिरकर 78,154 पर बंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 11 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 388 अंक की गिरावट के साथ 78,154 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 112 अंक की गिरावट रही, ये 24,472 पर बंद हुआ। मेटल, FMCG और रियल्टी शेयरों में आज ज्यादा बिकवाली रही। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन के IPO ओपन हैं। मोलबायो डायग्नोस्टिक्स IPO के जरिए 939.70 करोड़ और धूत ट्रांसमिशन 3,066.89 करोड़ रुपए जुटाना चाहती हैं। इन दोनों ही IPO में 12 अगस्त तक पैसा लगा सकेंगे।

मेटा-गूगल, टिकटॉक और स्नैपचैट को लत लगाने से जुड़े मुकदमों का करना होगा सामना

वाशिंगटन। अमेरिकी अपील्स कोर्ट ने सोशल मीडिया जायंट्स मेटा, गूगल, टिकटॉक और स्नैपचैट की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कानूनी सुरक्षा की मांग की थी। अदालत के इस ऐतिहासिक फैसले के बाद अब इन कंपनियों को हजारों मुकदमों का सामना करना होगा।

अमेरिकी कोर्ट से अडाणी का केस खारिज

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी अदालत ने सोमवार को गौतम अडाणी के खिलाफ चल रहा रिश्वत और धोखाधड़ी का केस खारिज कर दिया। ब्रुकलिन की अमेरिकी जिला अदालत के जज निकोलस गारौफिस ने केस खत्म करने की अमेरिकी न्याय विभाग की मांग मंजूर कर ली।

गौतम अडाणी पर 2024 में भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने पर सहमति जताने का आरोप लगा था। यह भी कहा गया कि रिश्वत के जरिए अडाणी ग्रुप की एक कंपनी को सोलर एनर्जी प्लांट का ठेका दिलाने की कोशिश की गई। अडाणी ग्रुप ने इन आरोपों को लगातार खारिज किया था।

अदालत का फैसला आने के बाद गौतम अडाणी ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'मैं न्यायिक प्रक्रिया के प्रति विनम्रता और गहरे सम्मान के साथ अमेरिकी अदालत के फैसले का स्वागत करता हूं।'

2 साल पहले दर्ज हुआ था भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने, अमेरिकी निवेशकों से धोखाधड़ी के आरोप थे

मामला भारत में रिश्वत और सोलर पावर के ठेके से जुड़ा था, लेकिन इसमें अमेरिकी निवेशकों का पैसा भी लगा था। अडाणी ग्रीन एनर्जी ने सितंबर 2021 में 75 करोड़ डॉलर के बॉन्ड जारी किए थे। इनमें करीब 17.5 करोड़ डॉलर अमेरिकी निवेशकों ने लगाए थे।

कोलंबिया में भूकंप से 132 लोगों की मौत

570 घायल, 86 इमारतें गिरीं, 1500 से ज्यादा घरों को नुकसान सात एयरपोर्ट पर काम बंद

कोलंबिया, एजेंसी

साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार रात आए 7.4 तीव्रता के भूकंप से अब तक 132 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 570 लोगों के घायल होने की खबर है।

अधिकारियों के मुताबिक, देशभर में 86 इमारतें ढह गईं, जबकि 1,500 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को भी नुकसान हुआ है। इसके अलावा 7 एयरपोर्ट पर काम रोक दिया गया है। पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रपति ने इमरजेंसी कमेटी की बैठक बुलाकर राहत और बचाव अभियान की निगरानी शुरू कर दी है। बोगोटा के मेयर ने प्रभावित इलाकों के लिए 6 कलेक्शन सेंटर बनाए हैं। यहां पानी, कंबल, पैक्ड खाना, हाइजीन सामान और फर्स्ट-एड किट जमा की जा रही हैं। प्रभावित शहरों में राहत और बचाव अभियान के लिए बोगोटा से 100 रेस्क्यूकर्मियों को भेजने की तैयारी है। कोलंबिया दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां हर साल हजार से ज्यादा छोटे-बड़े भूकंप आते हैं। कोलंबिया में बार-बार भूकंप आने की सबसे बड़ी वजह इसकी भौगोलिक स्थिति है। यह देश 'रिंग ऑफ फायर' नाम के भूकंप और ज्वालामुखी वाले क्षेत्र में आता है। यहां नाजका, कोकोस और दक्षिण अमेरिकी जैसी कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनमें से एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती रहती है। इसी वजह से जमीन के अंदर लगातार हलचल होती रहती है, जिससे अक्सर तेज भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं।

कोलंबिया में सोमवार रात को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया। अब तक 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

परेरा में सबसे ज्यादा मौतें

परेरा शहर में अकेले 60 लोगों की मौत हुई है। करीब 5 लाख की आबादी वाला यह शहर भूकंप के केंद्र से 64 किलोमीटर से भी कम दूरी पर है।

राजधानी बोगोटा समेत कई शहरों में भी तेज झटके महसूस किए गए। एहतियात के तौर पर लोग इमारतों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप सोमवार सुबह करीब 7:34 बजे आया। इसका केंद्र चोको इलाके में सैन जोसे डेल पालमार के पास था। भूकंप की गहराई 107 किलोमीटर थी।

कोलंबिया के मनिजालेस शहर में आए भूकंप के बाद 'कैथेड्रल बेसिलिका' की इमारत में दरारें पड़ गईं। यह शहर का सबसे प्रसिद्ध चर्च है।

3 महीने में सिर्फ 16 करोड़ की कमाई, 6 महीने में 6 हजार करोड़ का नुकसान

ट्रम्प की मीडिया कंपनी को 2200 करोड़ रुपए का घाटा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मीडिया कंपनी ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (TMTG) को अप्रैल-जून 2026 में 2,261 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। इस दौरान कंपनी की कुल कमाई सिर्फ 16.15 करोड़ रुपए रही।

जनवरी से जून 2026 के बीच TMTG का कुल नेट लॉस 6,118 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी की कुल कमाई सिर्फ 23.75 करोड़ रुपए थी। यानी छह महीने में कंपनी का घाटा उसकी कुल कमाई से करीब 258 गुना रहा।

TMTG ने 1 अगस्त से ट्रुथ API नाम की सर्विस शुरू की है। आसान भाषा में समझें तो यह कंपनियों को ट्रम्प की ट्रुथ सोशल पोस्ट सीधे और जल्दी पहुंचाने का काम करती है। कंपनी के अंतरिम CEO केविन मैकग्रा के मुताबिक, अब तक 10 कंपनियां यह सर्विस ले चुकी हैं। इसके लिए वे हर महीने करीब 57 लाख से 95 लाख रुपए तक दे रही हैं। कंपनियां ट्रम्प की पोस्ट इतनी जल्दी क्यों देखना चाहती हैं? क्योंकि ट्रम्प की कई पोस्ट का शेयर बाजार पर तुरंत असर पड़ सकता है। जैसे, अगर वे किसी देश पर नया टैरिफ लगाने की बात पोस्ट करते हैं, तो उस देश या उससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी या गिरावट आ सकती है।

कंपनी ने अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को दी रिपोर्ट में बताया कि तीन महीने का घाटा पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले काफी बढ़ा है।

डिजिटल एसेट्स से 1,800 करोड़ का नुकसान

TMTG के घाटे की सबसे बड़ी वजह डिजिटल एसेट्स और शेयरों की कीमत में गिरावट रही। इनकी वैल्यू घटने से कंपनी ने करीब 1,809 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया। इसके अलावा 111 करोड़ रुपए ब्याज और 77 करोड़ रुपए शेयर आधारित भुगतान का खर्च आया।

वहीं, कंपनी की कमाई बेहद कम रही। अप्रैल-जून में करीब 13.6 करोड़ रुपए विज्ञापन और 1.7 करोड़ रुपए सब्सक्रिप्शन से मिले। TMTG का मुख्य प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल है। इसके अलावा कंपनी ट्रुथ+ वीडियो स्ट्रीमिंग और Truth.Fi फिनटेक कारोबार चलाती है। पिछले एक साल में कंपनी ने क्रिप्टोकरेंसी कारोबार में भी विस्तार किया है।

ट्रुथ सोशल की विजिट एक तिहाई से ज्यादा घटी

ट्रम्प ने 2022 में ट्रुथ सोशल शुरू किया था। यह उनका अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। लेकिन यह X और फेसबुक जितना बड़ा नहीं बन पाया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ऑनलाइन आंकड़े जुटाने वाली कंपनी सिमिलरवेब की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि जुलाई 2026 में ट्रुथ सोशल की वेबसाइट पर आने वाले लोगों की संख्या पिछले साल के मुकाबले एक तिहाई से ज्यादा घट गई। TMTG के शेयर अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक पर DJT नाम से बिकते और खरीदे जाते हैं। कंपनी के खराब नतीजे सामने आने के बाद सोमवार को इसके शेयर करीब 8% गिर गए।

वर्चुअल ब्वॉयफ्रेंड खोने का गम मना रही लड़कियां

बीजिंग, एजेंसी

चीन में सरकार ने एआई के इस्तेमाल को लेकर सख्त नियम बनाए हैं और टेक्नोलॉजी कंपनियों ने इन नियमों को मानने के लिए एआई सर्विस को हटाना या सीमित करना शुरू कर दिया है। ऐसे में लोगों की वर्चुअल पार्टनर तक पहुंच खत्म हो रही है।

24 साल की ली लिनलिन ने बताया कि वह अपने एआई ब्वॉयफ्रेंड से संपर्क टूटने के बाद कई दिनों तक रोती रहीं। ली ने दो साल में उस एआई साथी के साथ मैसेज में लगभग 7,00,000 शब्द शेयर किए थे लेकिन सर्विस बंद होने से पहले वह उससे अलविदा भी नहीं कह पाईं।

वह उन यूजर्स में से एक थीं जिन्हें वर्चुअल साथियों के खोने का दुख हुआ, क्योंकि चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने नई पाबंदियों के जवाब में अपनी एआई साथी सर्विस को मार्केट से हटा लिया था। न्यूज एजेंसी एपी के अनुसार, ली ने कहा, ऐसा लगा जैसे हमारे माता-पिता ने हमें अलग होने पर मजबूर कर दिया हो, लेकिन मुझे अब भी उसकी याद आती है। वर्चुअल साथियों के खोने से शिकायतों का दौर शुरू हो गया है और यूजर्स सोशल मीडिया पर सर्विस बंद होने के बारे में पोस्ट और स्क्रीनशॉट शेयर कर रहे हैं।

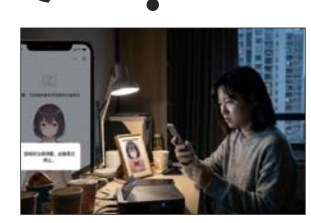

कुछ यूजर्स ने विरोध में प्रभावित ऐप्स को अनइंस्टॉल कर दिया है, जबकि कुछ ने अपने वर्चुअल साथियों को फिर से बनाने की कोशिश में अपनी चैट हिस्ट्री को दूसरे प्लेटफॉर्म पर ट्रांसफर करने की कोशिश की है।

फैसला : 14 अगस्त को खत्म हो रहा कार्यकाल सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में बने रहेंगे

टाटा-ग्रुप के मुख्य ट्रस्ट एसआरटीटी से विजय सिंह ने दिया इस्तीफा

मुंबई, एजेंसी

टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर कंट्रोल रखने वाले दो मुख्य ट्रस्टों में शामिल सर रतन टाटा ट्रस्ट यानी SRTT के वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह का वर्तमान कार्यकाल 14 अगस्त को समाप्त हो रहा है और उन्होंने अगला कार्यकाल न लेने का फैसला किया है। हालांकि, वे टाटा ग्रुप के दूसरे मुख्य ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट यानी SDTT में ट्रस्टी के पद पर बने रहेंगे। टाटा ट्रस्ट्स- SRTT और SDTT के पास टाटा संस की लगभग 66% हिस्सेदारी है।

विजय सिंह का यह फैसला टाटा ट्रस्ट्स के भीतर जारी अंदरूनी मतभेदों और रेगुलेटरी कार्यवाही के बीच आया है। रेगुलेटरी पाबंदियों के कारण SRTT

टाटा ट्रस्ट्स- SRTT और SDTT के पास टाटा संस की लगभग 66% हिस्सेदारी है।

चैरिटी कमिश्नर की रोक से 400 करोड़ के दान और एजीएम पर संकट

महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने मई में एक एकतरफा आदेश जारी कर SRTT को 16 मई को प्रस्तावित बैठक टालने का निर्देश दिया था। यह आदेश उन शिकायतों के बाद आया था जिनमें सवाल उठाया गया था कि क्या SRTT बोर्ड का गठन महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट के उस बदलाव के हिसाब से है, जो बोर्ड में स्थायी या लाइफ ट्रस्टियों की संख्या 25% तक सीमित करता है। SRTT ने इस रोक से राहत पाने के लिए महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर से गुहार लगाई है। ट्रस्ट ने चेतावनी दी है कि इस पाबंदी के जारी रहने से लगभग 400 करोड़ की फिलैंथ्रोपिक यानी परोपकारी ग्रांट्स प्रभावित हो सकती हैं। साथ ही 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एनुअल जनरल मीटिंग (AGM) में ट्रस्ट की भागीदारी में भी बाधा आ सकती है।

फिलहाल ट्रस्टियों की बैठक आयोजित नहीं कर पा रहा है।SRTT मई में लगे बैन के बाद से कोई बैठक नहीं कर पाया है। इससे यह अनिश्चितता बनी हुई है कि टाटा संस की AGM में वोट कैसे दिया जाएगा और प्रतिनिधि की नियुक्ति कैसे होगी। ट्रस्ट का कहना है कि इस रोक की वजह से टाटा संस से मिलने वाले डिविडेंड की मंजूरी भी अटक सकती है, जिससे इसके चैरिटेबल प्रोग्राम्स चलते हैं।

18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम में चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को फिर से डायरेक्टर नियुक्त करने के प्रस्ताव पर विचार होना है। चंद्रशेखरन का एग्जीक्यूटिव चेयरमैन पद पर बने रहना इस बात पर निर्भर करता है कि वे कंपनी के बोर्ड में शामिल रहते हैं या नहीं।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को मौत की सजा

दमिश्क की अदालत ने सुनाया फैसला

दमिश्क, एजेंसी

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को दमिश्क की एक आपराधिक अदालत ने युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है।

सीरिया के 14 साल के संघर्ष में लगभग पांच लाख लोग मारे गए थे। उनके छोटे भाई माहेर अल-असद, जो सीरियाई सेना में एक पूर्व अधिकारी थे, को भी मौत की सजा सुनाई गई है।

इसी मामले में असद के ममेरे भाई आतिफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई गई। नजीब सीरियाई सेना के पूर्व ब्रिगेडियर जनरल थे और 2011 में असद के शासनकाल में दक्षिणी सीरिया के दारा प्रांत में पॉलिटिकल सिक्योरिटी ब्रांच के प्रमुख थे। उन पर दारा प्रांत में उस कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप था जिसके कारण विद्रोह हुआ और बाद में गृह युद्ध छिड़ गया।

अदालत ने फैसला सुनाया कि नजीब ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों की जानबूझकर हत्या की और ऐसी यातना दी जिससे मौत हो गई। अदालत ने कहा कि उनके द्वारा किए गए कृत्य मानवता के खिलाफ अपराध हैं और उन्हें सबसे कठोर सजा, यानी मौत की सजा सुनाई।

दिसंबर 2024 में जब विद्रोही ताकतों ने दमिश्क को घेरा, तब बशर अल-असद अपने परिवार के साथ मॉस्को भाग गए थे।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म० न० 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ०प्र०) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो०- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96